आषाढ़ शुक्ल पक्ष पंचमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 364 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

01 जुलाई 2025 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

आज का मौसम

25 अधिकतम

18 न्यूनतम

पुरानी गाड़ी: दिल्ली में आज से सख्त पहरे में

नई दिल्ली। आज से दिल्ली में 15 साल से ज्यादा पुरानी गाडी चलाना खतरे से खाली नहीं है क्योंकि यहां उम्र पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है। यानि 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियों और 10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियों को न तो सड़कों पर चलने की इजाजत है और न ही ईंधन मिलेगा। दिल्ली सरकार ने इन पुराने वाहनों की धरपकड़ और जब्ती के लिए सख्त प्रावधान लागू किए हैं। वाहन पकड़े जाने पर मालिक को दस हजार का चालान भरना होगा। जिन दोपहिया वाहनों की उम्र पूरी हो चुकी है, उनकी जब्ती पर 5हजार का जुर्माना लगेगा। दिल्ली के 350 पेट्रोल में से 100 सबसे व्यस्त पेट्रोल पंपों पर दिल्ली पुलिस की टीमें तैनात की गई हैं।

फैक्ट्री में धमाके से मरने वालों का आंकड़ा 34 पार

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में दवा फैक्ट्री में हुए धमाके में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 34 हो गया है। फैक्ट्री से 31 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, अस्पताल में 3 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल हैं। फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हुआ था। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में हुआ ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को ?2 लाख और घायलों को ?50 हजार की मदद की घोषणा की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि वहां काम कर रहे मजदूर करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरे। विस्फोट की वजह से रिएक्टर यूनिट तबाह हो गई है। कंपनी में अधिकतर मजदूर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं।

नामांकन से साफ होगी निर्वाचन की तस्वीर, कल मतदान की संभावना कम

भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष का 'चेहरा' आज शाम तक ही आ जाएगा सामने!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में लंबे इंतजार और उहापोह के बाद अब भाजपा को नया अध्यक्ष मिलने का रास्ता साफ हुआ है। हालांकि चेहरा कौन होगा,इसे लेकर जबर्दस्त कयासबाजियां हैं। मगर दो दिन में यह सस्पेंस भी खत्म हो जाएगा। क्योंकि आज शाम से नामांकन का दौर शुरू हो रहा है यदि एक ही नामांकन आया तो चेहरा आज ही सामने आ जाएगा। इस रेस में हेमंत खंडेलवाल का नाम आगे है,जबकि दुर्गादास उइके के नाम पर भी कयास हैं। सूत्र बताते हैं हाईकमान से लेकर मप्र में सीएम तक खंडेलवाल के नाम पर सहमत हैं। भाजपा के चुनाव अधिकारी व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आज शाम भोपाल पहुंच रहे हैं।

पार्टी की ओर से प्रदेश अध्यक्ष के लिए जारी चुनाव कार्यक्रम के तहत विवेक सेजवलकर ने चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। शाम 4.30 बजे से 6.30 बजे तक नामांकन पत्र जमा होंगे। शाम 6.30 बजे से 7.30 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। शाम 7.30 बजे से 8 बजे तक नाम वापसी होगी। रात 8.30 बजे नामांकन पत्रों की अंतिम सूची घोषित की जाएगी। कल सुबह 11 से 2 बजे के बीच मतदान होगा। फिर दोपहर दो बजे से मतगणना व परिणाम घोषित होंगे।

नए अध्यक्ष का चुनाव भाजपा के 379 मतदाता करेंगे। इनमें 4 सांसद और 17 विधायक भी शामिल हैं। सांसदों में मौजूद प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीरेंद्र कुमार खटीक का नाम है। जबकि विधायक प्रतिनिधियों में मुख्यमंत्री मोहन यादव, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ला, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह, विजय शाह, तुलसी सिलावट, एदल सिंह कंसाना, अजय बिश्नोई, संपतिया उईके, ओमप्रकाश सकलेचा, संजय पाठक, भूपेंद्र सिंह, गोविंद सिंह राजपूत, नारायण सिंह कुशवाहा, मालिनी गौड़ शामिल हैं।

कैबिनेट बैटक: अब मप्र में तय होंगे वृंदावन ग्राम

राज्य में वृंदावन ग्राम योजना को सिरे चढाने की कवायद तेज हो गई है। मोहन यादव मंत्रिपरिषद ने इस पर मंथन आदि किया है। दरअसल कैबिनेट में दो हजार की आबादी और कम से कम पांच सौ गोवंश वाले गांवों को वृंदावन ग्राम के रूप में विकसित करने पर मुहर से पहले आज लंबा विमर्श हुआ है। इस बैठक में सिंचाई परियोजनाओं पर फैसले हुए हैं। मंत्रियों को बारिश और त्यौहारों के दौरान अलर्ट रहने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये हैं। प्रभार के जिलों में इसको लेकर बैठक करने के लिए भी कहा गया है।

आज दो सप्ताह के अंतराल के बाद कैबिनेट बैठक बुलाई गई। पिछले मंगलवार को बैठक के दिन मुख्यमंत्री वाराणसी में केंद्रीय मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुई क्षेत्रीय समिति की बैठक हेतु गये थे लिहाजा कैबिनेट बैठक नहीं हो पाई थी। अब आज के एजेंडे में सरकार का पूरा जोर वृंदावन योजना पर ही रहा। इसमें ग्रामीणों को पशुपालन से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निर्णय लिये गये। सरकार पहले ही प्रदेश के 313 विकासखंडों में एक-एक वृंदावन ग्राम बनाने का फैसला ले चुकी है।

बताया जाता है कि योजना के तहत वृंदावन ग्राम का एक आधार पशुओं के लिए चारे, पानी के साथ परिवहन की अच्छी व्यवस्था भी होगा। वृंदावन ग्राम का चयन प्रभारी मंत्री के परामर्श से कलेक्टर करेंगे। योजना के पर्यवेक्षण के लिए जिला अधिकारियों की समिति बनेगी। गौरतलब है कि मोहन सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान वृंदावन ग्राम योजना के लिए किया है। बैठक में सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित प्रस्ताव पर भी विचार हुआ। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने वाराणसी में हुई चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों की बैठक के बारे में भी कैबिनेट के सदस्यों को जानकारी दी।

बिल के विरोध से बिफरे ट्रंप का वार

मस्क को दुकान बंद करके अफ्रीका लौटना पड़ेगा

वाशिंगटन एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अति महत्वाकांक्षी बिग ब्यूटीफुल बिल पर सीनेट में 12 घंटे से मैराथन वोटिंग हो रही है। अरबपति एलॉन मस्क ने इस बिल के विरोध में एड़ी से लेकर चोटी तक का जोर लगा रखा है लेकिन अब ट्रंप ने मस्क पर जबरदस्त निशाना साधा है। ट्रंप ने कहा कि मुझे राष्ट्रपति बनाने के लिए मदद करने से पहले से ही मस्क को पता था कि मैं इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने वाली नीतियों का विरोधी हूं।

इलेक्ट्रिक कारों का जहां तक सवाल है, वह ठीक है लेकिन हर किसी को इन्हें खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। मस्क को शायद मानव इतिहास में किसी भी व्यक्ति से कहीं अधिक सब्सिडी मिल सकती है लेकिन बिना सब्सिडी के शायद उन्हें अपनी दुकान बंद कर वापस साउथ अफ्रीका लौटना पड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि इतने अधिक रॉकेट लॉन्चर, सैटेलाइट या इलेक्ट्रिक कारों का प्रोडक्शन होगा और हम ऐसे में बहुत सारा पैसा बचा लेंगे। ट्रंप ने कहा कि शायद मस्क को मिली सरकारी सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट की पड़ताल कर उन पर कैंची चलानी चाहिए तो बहुत पैसा बचेगा।

एलॉन मस्क एक तरह से ट्रंप के इस वन बिग, ब्यूटीफुल बिल के कट्टर विरोधी हैं. उनका कहना है कि इस बिल की वजह से राष्ट्रीय कर्जे में बेतहाशा बढ़ोतरी होगी और यह 2.4 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर पांच ट्रिलियन डॉलर तक की बढ़ोतरी हो सकती है. उनका कहना है कि इससे बजट घाटा बढ़ेगा।

कमर्शियल सिलेंडर सस्ता, पेट्रोल के दाम यथावत

रेल सफर महंगा, आधार के बिना अब नहीं बनेगा पेन कार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी।

आज महीने की पहली तारीख यानि एक जुलाई में रोजमर्रा के जीवन से जुडे 6 बड़े बदलाव हो रहे हैं। आज से रेल का सफर करना महंगा हो गया है। वहीं तत्काल टिकट बुकिंग करने के लिए आईआरसीटीसी अकाउंट आधार से लिंक करना होगा। इसके अलावा अब पैन कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य हो गया है। वहीं आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 58.50 रु तक सस्ता हो गया है। जबकि रसोई गैस सिलेंडर और पेट्रोल डीजल के दाम यथावत रखे गये हैं।

सबसे बड़ा बदलाव कई साल बाद रेल सफर का है जो आज से महंगा हो गया है। नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में 1 पैसा प्रति किलोमीटर और एसी क्लास के किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। रेलवे के सामने बढ़ते खर्चे और मेंटेनेंस की लागत को देखते हुए यह फैसला लिया गया है वहीं तत्काल टिकट बुकिंग के वक्त अब यात्रियों को आधार से डिजिटल वेरिफिकेशन कराना जरूरी होगा। यानी आपको अपना आधार आईआरसीटीसी अकाउंट से लिंक करना होगा। आधार वेरिफाइड यूजर्स को टिकट बुकिंग के दौरान ओटीपी मिलेगा, जिसे डालकर वेरिफिकेशन पूरा करके टिकट बुक कर सकेंगे।

इसी तरह पैन कार्ड के लिए आवेदन करने पर आधार कार्ड अनिवार्य हो गया है। आपके पास आधार नहीं है, तो पैन कार्ड नहीं बनवा सकेंगे। जबकि यूपीआई पेमेंट करते वक्त यूजर को सिर्फ अल्टीमेट बेनिफिशियरी यानी असली रिसीवर का बैंकिंग नाम ही दिखेगा। क्यूआर कोड या एडिट किए गए नाम अब नहीं दिखेंगे। ये नियम 30 जून तक सभी यूपीआई ऐप्स को लागू करने को कहा था ।

इनोवा फ्लाईओवर से नीचे गिरी, चार दोस्तों की मौत

मुजफ्फरपुर एजेंसी । पानीपत खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार इनोवा कार अनियंत्रित होकर फ्लाईओवर से नीचे गिर गई। इसमें कार सवार पांच दोस्त में से चार की मौत हो गई। इससे पहले जब घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तुरंत सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चार घायल दोस्तों की उपचार के दौरान मौत हो गई तो वहीं एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि कार सवार सभी दोस्त गुजरात के गांधीनगर से केदारनाथ के दर्शन के लिए जा रहे थे। उपचार के दौरान चार दोस्त अमित, भरत, कर्ण और विपुल की दर्दनाक मौत हो गई तो वहीं जिगर नाम का एक युवक गंभीर रूप से घायल है ।

आज आधे मध्य प्रदेश में 8 इंच तक बारिश की चेतावनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के आधे हिस्से यानी करीब 30 जिलों में आज मंगलवार को अति भारी या भारी बारिश होने की चेतावनी है। मौसम विभाग के अनुसार, यहां अगले 24 घंटे में ढाई से 8 इंच तक पानी गिर सकता है। भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर-चंबल, नर्मदापुरम, सागर संभाग में सबसे ज्यादा असर रहेगा। इंदौर-उज्जैन संभाग के जिलों में हल्की बारिश होगी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मध्यप्रदेश के ऊपर से एक मानसून टर्फ गुजर रही है। वहीं, एक अन्य टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का भी असर है। इनकी वजह से प्रदेश में अगले 4 दिन तक तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आज अशोकनगर, शिवपुरी, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

सबसे आधुनिक युद्धपोत 'तमाल' आज सेना में शामिल

नई दिल्ली एजेंसी।

भारतीय नौसेना आज अपने सबसे आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तमाल' को रूस के कैलिनिनग्राद में कमीशन करने जा रही है। यह समारोह वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह की अध्यक्षता में हो रहा है। तमाल रूस से मिला आठवां और तुशील क्लास का दूसरा युद्धपोत है। यह 2016 में हुए भारत-रूस रक्षा समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत चार तलवार-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। इनमें से दो रूस के यंतर शिपयार्ड में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में बन रहे हैं। तमाल को रूस के यंतर शिपयार्ड में भारतीय विशेषज्ञों की निगरानी में तैयार किया गया है। इसमें 26 प्रतिशत स्वदेशी तकनीक शामिल है। यह जहाज 30 नॉट्स से ज्यादा की रफ्तार से चल सकता है और समुद्र के भीतर से लेकर हवा तक हमला करने की क्षमता रखता है।

मेट्रो एंकर

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर हैं भारतीय वायुसेना के कैप्टन

24 घंटे में सोलह बार सूर्योदय व सूर्यास्त देख रहे शुभांशु!

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इस समय इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर हैं तथा अपने अन्य एस्ट्रानाट साथियों के साथ कुछ खास प्रयोग में जुटे हैं लेकिन इस मिशन से लोगों में फिर अंतरिक्ष के गूढ़ रहस्यों के प्रति जिज्ञासा जाग उठी है। सबसे बडी उत्सुकता यह कि स्पेस स्टेशन पर दिन और रात का अंदाजा कैसे होता होगा, वहां कितने घंटे का एक दिन होता है और स्पेस में कौन सा टाइम जोन काम करता है? सभी जानते हैं कि धरती पर एक दिन में एक बार सूर्योदय और सूर्यास्त होता है, लेकिन इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में 24 घंटे के भीतर 16 बार सूर्योदय और 16 बार ही सूर्यास्त होता है। यानि वहां सिर्फ 90 मिनट का दिन और इतने ही मिनट की रात होती है। बताया जाता है कि वहां गति बहुत तेज होती है जबकि स्पेस स्टेशन पृथ्वी के चक्कर लगाने के दौरान 45 मिनट तक सूरज की रोशन में रहता है जबकि बाकी 45 मिनट पृथ्वी की छाया में रहता%। अगर टाइम जोन की बात करें तो वहां वैश्विक मानकों के हिसाब से कॉर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम (जोन का इस्तेमाल होता है ताकि दुनिया के अलग-अलग देशों के साथ कॉर्डिनेशन में दिक्कत न आए. इस टाइम जोन को ग्रीनविच मीन टाइम भी कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि करीब 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुचा है। इससे पहले राकेश शर्मा अंतरिक्ष में गए थे। लेकिन इंटरनेशनल स्पेस सेंटर पर पहुंचने वाले शुभांशु पहले भारतीय हैं।

कौन सा टाइम जोन

स्पेस स्टेशन पर कई देशों के अंतरिक्ष यात्री एक साथ काम करते हैं और हर देश का अपना अलग टाइम जोन होता है. ञ्जष्ट का इस्तेमाल सभी मिशन कंट्रोल सेंटर और एस्ट्रोनॉट्स को एक ही सिस्टम के तहत लाता है, जिससे न सिर्फ कम्युनिकेशन आसान होता है बल्कि कमांड देने में भी आसानी होती है. स्पेस में अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों के एस्ट्रोनॉट एक यूनिर्वसल टाइम जोन में काम करते हैं। अगर भारतीय मानक समय में भारत में दोपहर के 12¬02 बजे हैं और क्योंकि आईएसटी ञ्जष्ट से 5 घंटे 30 मिनट आगे हैं तो इस हिसाब से इस हिसाब से देखा जाए तो इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर सुबह के 6¬32 बजे होंगे. यह समय सभी स्पेस मिशन, अंतरिक्ष यात्रियों और मिशन कंट्रोल सेंटर्स के लिए मानक होता है।

कचरागाड़ी पर सवार मंत्री ने देखीं सफाई व्यवस्था

कन्नौज, एजेंसी। उप्र के समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण ने कूड़ा गाड़ी में बैठकर डोर टू डोर व्यवस्था देखी। इस दौरान के उन्होंने मॉस्क लगाकर अपनी पहचान छुपा रखी। बाद में उन्होंने सफाई कर्मचारियों और लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को समझा। ज्ञात हो कि वे पूर्व पुलिस अफसर भी हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी डाला व लिखा है कि जापान में एक मेनेजमेंट प्रक्रिया विकसित की गई जिसे वे बोलते हैं- गेंबा वॉक। मतलब, ऐसे लोग जो मैनेजमेंट में है फैक्ट्री फ्लोर पर जाकर कामगारों के साथ खड़े होते हैं, बातचीत करते हैं और, सुधार के रास्ते खोलते हैं। पुलिस जीवन में कई बार ऐसा मैंने करके देखा और कई दिनों के प्रशिक्षण की तुलना में दो घंटे में समस्याओं और उनके उपाय का बोध हो गया।

जर्जर ओवरब्रिज

गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के भानपुर ओवरब्रिज की हालत जर्जर लग रही है। प्रशासन भी लापरवाह लग रहा है।

राजधानी की मुख्य समस्याओं पर लंबे मंथन के बाद बना नया प्लान

फैसला..ई-रिक्शा मुख्य मार्गों से हटेंगे, अतिक्रमण व ट्रैफिक पर नजर रखेगी अफसरों की समिति

भोपाल दोपहर मेट्रो

आखिरकार राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने और अतिक्रमण मुक्त राजधानी शहर बनाने के इरादे का ब्लूप्रिंट तैयार हो गया है। इसके लिये सांसद आलोक शर्मा काफी समय से प्रशासन को हिदायत दे रहे थे। उन्होंने पुलिस कमिश्नर कार्यालय में अहम बैठक लेकर कलेक्टर और डीसीपी ट्रैफिक संजय सिंह सहित तमाम अफसरों से लंबी चर्चा की और कहा कि अब शहर की सड़कों से अतिक्रमण हटेगा, लेफ्ट टर्न पर यातायात की बाधाएं दूर होंगी और ई-रिक्शा को तय मार्ग से ही चलाया जाएगा। इसके लिये एक समिति भी बना दी गई है। जिसमें भोपाल कलेक्टर और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है। समिति को निर्देश दिए गए हैं कि जल्द से जल्द कार्यवाही शुरू की जाए।

ई रिक्शा के 'रास्ते' तय होंगे

शहर में बेतरतीब ढंग से चल रहे ई-रिक्शा को कॉलोनियों के भीतर तक ही सीमित रखने के निर्देश दिये गये हैं। इन्हें मुख्य व्यस्त इलाकों में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। इसके लिए प्रशासन और ट्रैफिक विभाग द्वारा संयुक्त रूप से मार्ग तय किए जाएंगे। इसके अलावा शहर में अपराधों पर लगाम लगाने के लिए सांसद ने प्रस्ताव रखा कि प्रमुख स्थानों पर डिजिटल कैमरे लगाए जाएं। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि कैमरा नेटवर्क को मजबूत किया जाए और अपराध नियंत्रण को लेकर ठोस रणनीति बनाई जाए।

16 ब्लैक स्पॉट खत्म होंगे

बताया जाता है कि शहर के 16 ब्लैक स्पॉट पर विशेष फोकस किया गया है। शर्मा ने चिंता जताते हुए कहा कि ये स्पॉट जानलेवा साबित हो रहे हैं, इन्हें जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए। ट्रैफिक पुलिस को इन स्थानों पर सुधार कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह कंडम वाहन और अव्यवस्थित पार्किंग पर लगाम सांसद ने निर्देश दिया कि शहर में सड़कों पर खड़े कंडम वाहनों को हटाया जाए। वहीं, स्मार्ट पार्किंग को लेकर उन्होंने कहा कि पार्किंग की व्यवस्था को गैरेज में तब्दील न होने दिया जाए। स्मार्ट सिटी के तहत पार्किंग व्यवस्था को प्रभावी और अनुशासित बनाने के आदेश भी जारी किए गए। बैठक में यह भी तय किया गया कि सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से लगे बिजली के खंभों को व्यवस्थित किया जाएगा। इसके लिए ष्ठरूभोपाल की अगुवाई में एक समिति बनाई गई है, जो खंभों के स्थानांतरण और सुरक्षा की दिशा में काम करेगी

फाइल फोटो

आज से राजधानी में शुरू डेंगू निरोधक माह, टीमें उतारीं

भोपाल। डेंगू के नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आज से शुरू हुए महाह जुलाई को डेंगू निरोधक माह घोषित कर दिया है। इस पूरे महीने जिला मलेरिया विभाग डेंगू रोकथाम के लिए हर जरूरी प्रयास करेगा। इसके लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। इसके तहत आगामी माह में जन-जागरूकता गतिविधियों और लार्वा सर्वे को और तेज किया जाएगा।

बताया जाता है कि सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। वर्तमान में जिला मलेरिया कार्यालय की टीम और नगर निगम समेत अन्य सामुदायिक स्थानों पर गर्भवती महिलाओं के बीच डेंगू से बचाव के उपाय बता रही है। जिला मलेरिया अधिकारी के मुताबिक वर्तमान में 44 टीमें मैदानी स्तर पर कार्यरत हैं। एम्बेड परियोजना के 90 सामुदायिक सहयोगी जुलाई से लार्वा सर्वे में सहयोग देंगे। डेंगू के मामले सामने आने पर फॉगिंग, प्रचार-प्रसार, लार्वा सर्वे और स्प्रे किया जाएगा।

नगर निगम की टीम नियमित रूप से डेंगू नियंत्रण में सहयोग दे रही है। प्रत्येक वार्ड में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित हेल्थ सेंटर्स में मलेरिया की जांच और उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर निगम और मलेरिया टीम संयुक्त रूप से विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर रही हैं।

बुजुर्गों का हेल्थ चेकअप हुआ जूडा ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

भोपाल दोपहर मेट्रो

बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रहे वृद्धजनों के लिए गांधी मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के निर्देशन में एक खास पहल के तहत आनंदधाम वृद्धजन सेवा केन्द्र पर जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन मध्य प्रदेश, एमिटी हेल्थकेयर सोसाइटी और इंडियन डेंटल एसोसिएशन भोपाल ने संयुक्त रूप से निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन किया।

इस शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए नेत्र रोग, दंत रोग, हड्डी रोग, चर्म रोग, मानसिक रोग और मेडिसिन के विशेषज्ञों ने परामर्श और उपचार दिया। बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन सहित कई रक्त संबंधी जांचें की गईं। तीन वृद्धजनों में मोतियाबिंद और 5 में मानसिक समस्याओं की पहचान की गई, जिन्हें आगे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में बुलाया गया है।शिविर की खास बात यह रही कि एमबीबीएस विद्यार्थियों ने वृद्धजनों के साथ समय बिताया और उनके जीवन के अनुभवों को सुना। यह संवाद सिर्फ चिकित्सा से नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव से भी भरपूर रहा। डॉ. कुलदीप गुप्ता ने कहा कि जूनियर डॉक्टर्स समाज के प्रति संवेदनशील हैं और सामाजिक सरोकारों के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आज से स्कूल जाने वाली थी, अब जनाजा

बिजली के खंभे में उतरा करंट, पांच साल की मासूम की दर्दनाक मौत

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी में बारिश के इस दौर में बिजली के खंभे में करंट उतरने से एक मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। आलम यह रहा कि वह करीब एक मिनट तक खंभे से चिपकी रही,यह देख पास में मौजूद दो युवकों ने फावड़े के लकडी के दस्ते से किसी तरह उसे पीछे खींचा। तब तक बच्ची बेसुध हो चुकी थी। उसे हमीदिया अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत से नाराज लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा भी किया। पुलिस ने समझाइश देकर बमुश्किल मामला शांत कराया। बच्ची का नाम आयशा (5) है। पिता साजिद खान ने एक दिन पहले ही उसे नया स्कूल

बैग और किताबें दिलाई थी तथा आज से वह पहली बार स्कूल जाने वाली थी। बताया जाता है कि वह दोपहर करीब ढाई बजे खेलने के लिए घर से निकली थी। बाहर पानी भरा हुआ था और पास में एक खंभा था। आयशा ने जैसे ही उस खंभे को छुआ, उसे करंट लग गया। आयशा की मौत की पुष्टि के बाद स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग की लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। इसकी सूचना के बाद स्थानीय विधायक आतिफ अकील और पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। नाराज लोगों ने कहा कि सड़कों पर पानी भरा है, खंभे पर लगे तारों में जगह-जगह कट लगे हुए हैं। बारिश में खंभा गीला था और कट लगे तारों के कारण उसमें करंट फैल गया। वहीं पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बताते हैं कि आयशा के पिता साजिद की आर्थिक हालत खराब है, वे लोडिंग ऑटो चलाते हैं। किस्त न भर पाने के कारण पिछले दिनों उनका ऑटो भी कंपनी द्वारा सीज कर लिया गया था। इससे साजिद पहले ही तनाव में थे।

नामांतरण के लिए पटवारी को रिश्वत लेते दबोचा

भोपाल,दोपहर मेट्रो। लोकायुक्त की टीम ने 9 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए एक पटवारी को रंगे हाथों पकड़ा है।

यह कार्रवाई बीती शाम बैरसिया रोड स्थित गोलखेड़ी नायरा पेट्रोल पंप पर की गई। आरोपी पटवारी पैतृक जमीन के फोती नामांतरण की एवज में रिश्वत की मांग कर रहा था। एसपी दुर्गेश राठौर ने बताया कि आरोपी पटवारी उज्ज्वल उपाध्याय के खिलाफ शिकायत प्रदीप माली द्वारा की गई थी। शिकायत की जांच के बाद ट्रैप की कार्रवाई की गई। उज्ज्वल उपाध्याय, पटवारी, गोलखेड़ी हल्का नंबर 23, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में पदस्थ है। डील फाइनल होने के बाद फरियादी को पैसे देने के लिए पेट्रोल पंप पर बुलाया गया, जहां लोकायुक्त टीम ने आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

मैट्रो एंकर 364 प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

प्रतिभाओं के सम्मान से देश के भविष्य का सृजन : परमार

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी के दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों एवं प्रतिभाशाली व्यक्तियों का प्रतिभा सम्मान समारोह रवीन्द्र भवन में हुआ। इसमें श्रुतिका जैन,सीबीएसई. ऑल इंडिया रैंक 2, व प्रदेश रैंक 1 भी विशेष रूप से उपस्थित रही और विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया। मुख्य अतिथि इंदर सिंह परमार, मंत्री उच्च शिक्षा, भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकता है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने शिक्षा नीति में कई महत्वपूर्ण बदलाव के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की है और हमें अपने संस्कारों के प्रति जागरूक होकर, उन्हें अपनी पहचान बनाने पर जोर दिया है। विधायक भगवान दास सबनानी ने कहा कि, आज का दिन मेरे लिए बहुत ही खास है, क्षेत्र के इतने सारे प्रतिभाशाली लोगों को एक साथ देखकर मन प्रफुल्लित है, बिटिया श्रुतिका जैन ने दक्षिण-पश्चिम परिवार का नाम इतिहास में अंकित कर दिया। पत्रकारिता विवि के कुलगुरू विजय तिवारी ने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने के लिए सरकार स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों को ऐतिहासिक स्थानों की हेरिटेज वॉक अनिवार्य करे, बच्चे ऐसे स्थानों पर जाएं, उनके बारे में किताबें पढ़े, चर्चा करें, लिखें, इतिहास से हमारा जीवंत रिश्ता होना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को खंडवा मंडी परिसर में जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह में जल दूत और जल सखियों सहित उपस्थितियों का गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर अभिनंदन किया।

मंत्री के विरुद्ध शिकायत का मामला

पीएमओ में शिकायत के बाद पीएचई में दौड़ रही जांच की फाइल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी यानि पीएचई महकमे ने प्रकारांतर से अपनी ही विभाग की मंत्री संपतिया उईके के खिलाफ जांच बैठा दी है। प्रमुख अभियंता (ईएनसी) संजय अंधवान ने जांच के आदेश प्रधानमंत्री से की गई शिकायत और केंद्र की ओर से मांगी गई रिपोर्ट के बाद दिए हैं। इस संबंध में प्रमुख अभियंता कार्यालय ने सभी मुख्य अभियंता पीएचई और परियोजना निदेशक मप्र जल निगम को इस मामले में चिट्ठी लिखकर सात दिन में रिपोर्ट देने को कहा है। हालांकि जांच के आदेश को लेकर प्रमुख अभियंता कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक निर्देश में भारत सरकार ने राज्य के जल जीवन मिशन को दिए 30 हजार करोड़ के खर्च की जांच करने को कहा है। साथ ही पीएचई मंत्री संपतिया उईके और उनके लिए कथित तौर पर पैसा जमा करने वाले मंडला के कार्यपालन यंत्री की संपत्तियों की जांच के निर्देश दिए हैं। दरअसल पूर्व विधायक किशोर समरीते ने यह शिकायत की है। उन्होंने प्रधानमंत्री के नाम से 12 अप्रैल 2025 को शिकायती पत्र भेजा था। जिसमें कहा गया कि एमपी में जल जीवन मिशन के लिए केंद्र सरकार की ओर से दिए गए 30 हजार करोड़ में मंत्री संपतिया उइके ने एक हजार करोड़ रुपए कमीशन लिया है। शिकायत में पूर्व ईएनसी बीके सोनगरिया पर भी आरोप है कि उन्होंने अपने अकाउंटेंट महेंद्र खरे के जरिए कमीशन लिया है। यह राशि 2000 करोड़ है।

शिवपुरी-पोहरी मार्ग पर आरओबी निर्माण के तहत दोषपूर्ण स्लैब किया गया डिस्मेंटल

भोपाल। लोक निर्माण विभाग ने गुणवत्ता को अपना मूल मंत्र बनाया है और क्वालिटी में थोड़ी भी कमी को गंभीरता से लिया है,इसी के चलते शिवपुरी-पोहरी मार्ग पर आर.ओ.बी. निर्माण के तहत एक दिन पूर्व ही डाला गया दोषपूर्ण स्लैब को इंजीनियर्स ने तत्काल डिस्मेंटल कराया है। उल्लेखनीय है कि शिवपुरी-पोहरी मार्ग पर रेल्वे क्रासिंग क्रमांक 59 सी पर आर.ओ.बी. का निर्माण कार्य प्रगतिशील है।आर ओ बी में पीयर नम्बर 15 से पीयर नम्बर 16 तक की स्लैब का निर्माण कार्य 13 जून की सुबह संपन्न किया गया था।

इसी दिन शाम 0:00 बजे अनुविभागीय अधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान स्लैब में क्रैक्स पाए गए। तत्पश्चात ठेकेदार को लिखित रूप से स्लैब तोड़ने के निर्देश जारी किए गए। निर्देशानुसार, ठेकेदार द्वारा विभाग के उपयंत्री की उपस्थिति में 14 जून की रात्रि 12:00 बजे स्लैब को डिस्मेंटल किया गया। यह कार्रवाई गुणवत्ता मानकों और सुरक्षा प्रावधानों को सुनिश्चित करते हुए की गई है। यह स्लैब एक दिन पहले ही कास्ट किया गया था। कंक्रीट अभी गीला और कच्चा भी था इसलिए स्लैब को गिराने में कोई समस्या नहीं हुई। यह कार्य पूरी सुरक्षा के साथ संपन्न किया गया ।

तबादला सीजन के बाद अब आईएएस की बारी

मंत्रालय में बड़े चेहरे बदलेंगे और दर्जन भर कलेक्टर भी !

दोहपर मेट्रो, भोपाल

तबादला सीजन में अधिकारी, कर्मचारियों के तबादलों के बाद अब मंत्रालय से लेकर जिलो ंतक आईएएस के तबादले की बारी है। चर्चा है कि मुख्यमंत्री कार्यालय में भी बदलाव हो सकता है और पूरी तरह यह नया रूप ले सकता है। जबकि जिलों में एक दर्जन से अधिक जिलों के कलेक्टरों को बदले जाने की भी सुगबुगाहटें तेज हैं। हालांकि वैसे तो यह कवायद कई दिनों से चल रही थी लेकिन लेकिन अब कभी भी तबादले आदेश आ सकते हैं।

जानकार सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री सचिवालव की जमावट को लेकर कुछ राय-सलाह %ऊपर% से भी मिली है। यहां अभी अपर मुख्यसचिव राजेश राजौरा के पास कमान हैं, वे पिछली सरकारों में भी मुख्यधारा में ही रहे हैं। इसके बाद हाल में वे मुख्यसचिव के पद के भी तगडे दावेदार थे लेकिन केंद्र से अनुराग जैन यहां आ गए तथा राजौरा का दावा जाता रहा। हालांकि राजौरा के

पास अभी दो साल का वक्त है। हालांकि वह तेजी से फैसले लेने वाले अफसरों में शुमार हैं। इसी तरह सिबि चक्रवर्ती सीएमओ में सचिव है वह सीएस की पसंद माने जाते हैं। यहां इलैया राजा भी सचिव है और पहले भी वह सीएमओ में रह चुके हैं।

जिलों में बदलाव के कई आधार

- » जिन जिलों में कलेक्टरों को दो वर्ष या इससे अधिक का समय हो चुका है, उन्हें हटाया जा सकता है।
- » ऐसे कलेक्टर, जो अपने कार्यकाल में विवादों को जन्म दे चुके हैं और सरकार को नुकसान झेलना पड़ा है, उन्हें भी हटाया जा सकता है।
- » नए आईएएस को मौके दिए जाने के लिए प्रमोटी आईएएस से जिलों की कमान वापस ली जा सकती है।
- » अभी करीब एक दर्जन जिला कलेक्टर ऐसे हैं जो विवाद,परफार्मेंस और कार्यकाल लंबा होने की वजह से सरकार के संभावित फेरबदल मिशन में शामिल हैं।

वित्तीय गड़बड़ी दूर करने की पहल

वक्फ बोर्ड में 15 हजार कमेटियों को बैंक खाते खोलने के निर्देश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड में भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं पर लगाम लगाने के लिए बोर्ड ने अब एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इसके तहत अब प्रदेशभर की 15,008 वक्फ कमेटियों के बैंक खाते अनिवार्य रूप से खोले जाएंगे। इससे न सिर्फ आर्थिक लेन-देन पारदर्शी होंगे, बल्कि वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में यह बड़ा और क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है। बताया जाता है कि वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल के सख्त निर्देश के बाद यह प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। वर्षों से यह शिकायतें सामने आ रही थीं कि वक्फ की संपत्तियों से होने वाली आमदनी और खर्च का कोई ठोस रिकॉर्ड नहीं होता, क्योंकि कमेटियों के पास बैंक खाते नहीं हैं और नकद लेन-देन से अनियमितताओं को बढ़ावा मिलता है। बताया जाता है कि इस समस्या को दूर करने के लिए वक्फ बोर्ड की टीम ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल हेड और शीर्ष प्रबंधन से कई दौर की बातचीत की। इसका असर यह हुआ कि बोर्ड के इतिहास में पहली बार सेंट्रल बैंक ने अपने सभी शाखाओं को निर्देश जारी किया है कि वक्फ बोर्ड की वैधानिक कमेटियों के खाते बिना किसी अड़चन के खोले जाएं। बोर्ड अध्यक्ष पटेल ने इस पहल को लेकर कहा है कि बोर्ड की पहली प्राथमिकता वक्फ संपत्तियों का संरक्षण और उनकी आमदनी का सही उपयोग सुनिश्चित करना है। बैंक खाता अनिवार्य करने से न केवल वित्तीय पारदर्शिता आएगी, बल्कि बोर्ड की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने नि:शुल्क साइकिल वितरण के संबंध में जारी किए दिशा-निर्देश

सरकारी स्कूलों में 6 और 9 में प्रथम प्रवेश पर साइकिल योजना का लाभ

दोहपर मेट्रो, भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग ने शासकीय स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। दिशा-निर्देश में बताया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले विद्यार्थी, जो कि शासकीय विद्यालय में कक्षा 6वीं और 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वे जिस ग्राम के निवासी हैं उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय-हाई स्कूल संचालित नहीं हैं वे अध्ययन के लिये किसी अन्य ग्राम या शहर के शासकीय स्कूल में जाते हैं, उन छात्रों को इस योजना का लाभ कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रथम प्रवेश पर एक ही बार मिलेगा। इन कक्षाओं में पुनः प्रवेश लेने पर साइकिल की पात्रता नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे विद्यार्थी जो शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं उस गांव से उनके निवास की दूरी 2 किलोमीटर की दूरी से अधिक हो उन्हें ही साइकिल की पात्रता होगी। ग्रामीण क्षेत्र में कन्या छात्रावास में अध्ययनरत छात्राएं जिनके माध्यमिक शाला और हाई स्कूल छात्रावास से स्कूल की दूरी 2 किलोमीटर अधिक दूरी पर है यह साइकिलें छात्रावास को आवंटित की जायेंगी और छात्रावास में रहने वाली बालिकाएं इनका प्रयोग कर सकेंगी। छात्रावास छोड़ते समय साइकिलें छात्रावास में जमा कराना होंगी।

प्रदेश के समस्त कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जारी हुए आदेश

योजना में कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों को 18 इंच और कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को 20 इंच की साइकिलें प्रदाय की जायेंगी। निःशुल्क साइकिल वितरण की विस्तृत जानकारी 3.0 पोर्टल पर प्रदर्शित की गई हैं। निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में कक्षा 6वीं की साइकिल के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी आर.के. पांडे और कक्षा 9वीं के लिये योजना अधिकारी अशोक बड़गे को नोडल अधिकारी बनाया गया है। दिशा-निर्देश प्रदेश के समस्त कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा केन्द्र समन्वयक को जारी किये गये हैं।

सार्थक ऐप पर फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले 3 अतिथि विद्वानों का आमंत्रण निरस्त

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने रीवा जिले के हनुमना स्थित शासकीय महाविद्यालय में आमंत्रित अतिथि विद्वान श्री जानकी शरण शुक्ला एवं डॉ. गीता पटेल के आमंत्रण को तत्काल निरस्त करने के सम्बंध में निर्देश जारी किए हैं। साथ ही सीधी जिले के खड्डी स्थित शासकीय महाविद्यालय में आमंत्रित अतिथि विद्वान श्री अभिनंदन पांडे के आमंत्रण को तत्काल निरस्त करने के संबंध में भी निर्देश जारी किए हैं। उक्त तीनों अतिथि विद्वान संस्थान में न होकर अन्यत्र स्थान से अमर्यादित एवं अनुचित रूप से सार्थक ऐप पर फर्जी उपस्थिति लगाकर अनुशासनहीनता करते पाए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सार्थक ऐप पर छेड़खानी कर अनुचित तरीके से फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले नियमित स्टॉफ पर भी कार्रवाई प्रस्तावित है। उल्लखेनीय है कि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सार्थक ऐप पर छेड़खानी कर फर्जी उपस्थिति दर्ज कर शैक्षणिक परिवेश को दूषित करने को गंभीरतापूर्वक लेकर विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे।

मेट्रो एंकर | मध्यप्रदेश में गाइड्स के प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के लिए कार्यशाला

पर्यटकों के लिए मॉन्यूमेंट गुरु है गाइड

दोहपर मेट्रो, भोपाल

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर गाइड पर्यटकों के मॉन्यूमेंट गुरु होते है। पर्यटन स्थल के बारे में जितनी जानकारी गाइड देते है उतना ही पर्यटक जान पाते है। इसलिए गाइड द्वारा किया पर्यटकों को प्रामाणिक और शोध की गई जानकारी दी जानी आवश्यक है। शुक्ला आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में गाइड उन्मुखीकरण और कौशल विकास कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। शुक्ला ने गाइड्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि टूरिस्ट गाइड रेटिंग के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले गाइड को आगामी वर्ष से पुरस्कार स्वरूप क्रमशः 2 लाख

रुपये, 1 लाख रुपये एवं 50 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि गाइड्स, पर्यटन विभाग और पर्यटकों के बीच ब्रिज के रूप में कार्य करते हैं। वे ही प्रदेश और देश के गौरवशाली इतिहास को पर्यटकों से साझा करते हैं। उनकी कुशलता से ही आगंतुकों को हमारी समृद्ध परंपराओं और संस्कृति का ज्ञान होता है। मध्य प्रदेश में वर्तमान में 72 गाइड अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जल्द ही 313 पदों पर गाइड की भर्ती शुरू की जाएगी।

इस दौरान विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्रों में पर्यटन स्थलों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रस्तुतिकरण कौशल, नई तकनीक, पर्यटकों के साथ संवाद शैली तथा पर्यटन संबंधी विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर टूरिस्ट गाइड रेटिंग सिस्टम से चयनित गाइड्स ओरछा से भूषण सिंह-प्रथम, सांची से सुरेंद्र सिंह भदौरिया-द्वितीय और खजुहारो से राजेश अवस्थी-तृतीय को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण भोपाल मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद् मनोज कुर्मी उपस्थित थे।

संपादकीय

पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा के सवाल

धार्मिक स्थलों या इसके आसपास होने वाले हादसे गहरी चिंता व भय पैदा कर रहे हैं। तीर्थस्थल लोगों की आस्था के साथ पर्यटन, रोजगार और राजस्व के केंद्र होते हैं। मगर स्वाभाविक ही अपेक्षा रहती है कि ऐसी जगहों पर लोगों की आवाजाही, रुकने-ठहरने, खाने-पीने की समुचित और सुविधाजनक व्यवस्था हो। सरकारें तीर्थस्थलों के विकास और वहां श्रद्धालुओं-सैलानियों को आकर्षित करने का प्रयास भी खूब करती रहती हैं। इस दृष्टि से अनेक तीर्थस्थलों तक पहुंचने वाली सड़कों को चौड़ी करने, सुरंगों, पुलों आदि के निर्माण, होटल, मोटेल आदि की सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए गए हैं। इसका असर भी नजर आता है। अनेक तीर्थस्थलों पर लोगों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। मगर इसके साथ ही इन जगहों पर कमाई की होड़ में कई अव्यवस्थाएं भी पनपी हैं। नतीजा यह कि दुर्गम जगहों, पहाड़ों के तीर्थस्थलों पर हादसे बढ़े हैं। हर वर्ष बहुत सारे श्रद्धालुओं-सैलानियों की जान चली जाती है। उत्तराखंड के तीर्थस्थलों पर अव्यवस्था की वजह से होने वाले हादसों को लेकर सबसे अधिक सवाल उठते हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से, दो महीनों के भीतर, सड़क दुर्घटनाओं, हेलिकाप्टर हादसे आदि की वजह से करीब साठ लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि वह यात्रियों की हर सुविधा का ध्यान रखता है, पर सच्चाई यह है कि अव्यवस्था के कारण चारधाम यात्रा में कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि सैलानियों की बढ़ती तादाद और उनकी सुविधाओं के मद्देनजर निर्माण कार्यों की वजह से उत्तराखंड के पर्यावरण को भारी नुकसान पर लंबे समय से आवाजें उठती रही हैं। वहां के पहाड़ भंगुर हैं, निर्माण कार्यों और अतार्किक ढंग से बन रहे भवनों, सड़कों आदि के कारण उनमें दरारें पड़ने की शिकायतें हैं। तेज बरसात में भूस्खलन से तबाही के मंजर उपस्थित हो जाते हैं। इसलिए इस पर जोर दिया जाता रहा है कि सैलानियों और पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर निगरानी रखी जाए ताकि अधिक भीड़भाड़ से असुविधाओं और जोखिम की स्थिति न बने। मगर प्रशासन ने जैसे वहां कारोबारियों को मनमानी की छूट दे रखी है। नतीजा है कि हेलिकाप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाले तय मानकों को ताक पर रखते हुए उड़ान भरते रहते हैं। यही हाल वहां टैक्सी आदि की सेवा का है। हालांकि उत्तराखंड के तीर्थस्थल और पर्यटन स्थल इस मामले में अपवाद नहीं हैं, हर तीर्थस्थल पर कमोबेश यही हाल है। जिन जगहों पर अधिक भीड़भाड़ इकट्ठा होने का अनुमान रहता है, वहां कायदे से लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के ठोस उपाय होने चाहिए। मगर ज्यादातर धार्मिक स्थलों पर यात्रियों के प्रति लापरवाह रवैया होता है। अलबत्ता कुछ स्वयंसेवक, लोगों को संभालते देखे जाते हैं, पर भीड़ अधिक हो जाने पर वे भी विवश हो जाते हैं, नतीजा कई बार हादसों में सामने आता है। अमरनाथ यात्रा की एक व्यवस्था है, जिसमें श्रद्धालुओं का पंजीकरण किया जाता है, उन्हें अलग-अलग समय पर आगे बढ़ने दिया जाता है। चारधाम यात्रा में भी अगर भीड़भाड़ काफी बढ़ती देखी जा रही है, तो वहां ऐसी ही कोई व्यवस्था क्यों नहीं की जाती, जिसमें यात्रियों को चरणबद्ध तरीके से रवाना किया जाए और सुरक्षित वापस लौटाया जा सके। दरअसल, कुछ समय पहले प्रयागराज कुंभ में घटनाएं हुई लोगों ने जान गंवाई,फिर उत्तराखंड में हादसे हुए, दो दिन पहले पुरी में रथयात्रा के दौरान भगदड मची,इसमें भी जानें गईं। बाद में सरकारें जो भी कार्रवाई करें वह सिर्फ फेस सेविंग जैसी लगती हैं,उसमें सबक का भाव न्यूनतम होता है,इसीलिये फिर कहीं ऐसा हादसा हो जाता है।

नाम नहीं नीतियां बदलने से बदलेंगे हालात

■ विश्वनाथ सचदेव

शेक्सपियर ने भले ही कह दिया हो कि नाम में क्या रखा है, पर हकीकत तो यही है कि आपका नाम आपके चरित्र को बदलने की क्षमता रखता है। शायद इसी समझ का यह परिणाम है कि हमारी सरकारें नाम बदलने की नीति में विश्वास करती दिख रही हैं। गली- मोहल्लों के नाम बदलने से लेकर शहरों तक के नाम बदलने की देश में जैसे एक प्रतिस्पर्धा-सी चल रही है। कोई भी राज्य इस काम में पीछे नहीं रहना चाहता। राज्य यह मानकर चलते दिख रहे हैं कि नाम बदलने की यह कवायद जादुई असर रखती है। इस प्रवृत्ति का ताज़ा उदाहरण मध्य प्रदेश में दिखा है। वहां रातों-रात बेरोज़गारी समाप्त कर दी गयी है। सरकार ने बाकायदा इस बात की घोषणा की है कि अब प्रदेश में कोई बेरोज़गार नहीं है! ऐसा नहीं है कि राज्य में सबको रोज़गार मिल गया है। हुआ यह है कि राज्य सरकार को अचानक यह इलहाम हुआ है कि बेरोज़गारी की इस समस्या से निपटने का सबसे कारगर तरीका यह है कि रोजगार की तलाश में सड़कों पर भटकते, नारे लगाते युवाओं का नाम ही बदल दिया जाये। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी! इसलिए सरकार ने ऐलान कर दिया है कि अब सरकारी दस्तावेजों में राज्य के बेरोज़गार युवाओं को 'रोज़गार खोजने वाला युवा' कहा जायेगा। ऐसे में युवाओं को एक अच्छा-सा नाम भी दे दिया गया है। मध्य प्रदेश के कौशल विकास मंत्री ने यह घोषणा कर दी है कि अब इन युवाओं को 'आकांक्षी युवा' कहा जायेगा। शेक्सपियर ने भले ही कुछ भी माना या कहा हो, हमारी सरकार यह मानती है कि बेरोज़गारी शब्द युवाओं का मनोबल गिराता है, इस शब्द का अस्तित्व ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए। अब युवाओं पर इसका नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनका मनोबल बना रहेगा। इस निर्णय के परिणाम स्वरूप सरकारी नौकरियों में कार्यरत युवा उच्च पद पाने की आकांक्षा रखेंगे और बेरोज़गार युवा नौकरी की आकांक्षा रखेंगे। बेरोजगारी की समस्या का इससे अच्छा भला और क्या समाधान हो सकता है?

सरकारी आंकड़ों और मान्यता के अनुसार मध्य प्रदेश में 'आकांक्षी युवाओं' की संख्या दिसंबर 2024 में 26 लाख थी अब यह बढ़कर 29 लाख हो गयी है। सरकारी आंकड़े यह भी बताते हैं कि सन 2020 से सन 2024 के दौरान राज्य में 27 रोज़गार मेले लगाये गये थे, इनमें तीन लाख युवाओं को रोज़गार के प्रस्ताव मिले थे। अब सरकार यह मान रही है कि बेरोजगारों का नाम बदलने से रोज़गार मिलने की गति में तेजी आयेगी और जल्दी ही बेरोजगारी का खात्मा हो जायेगा। निश्चित रूप से देश के अन्य राज्य भी मध्य प्रदेश से प्रेरणा प्राप्त करेंगे और समस्याओं के समाधान का यह नाम बदलू तरीका अपनाकर देश में एक नई क्रांति का सूत्रपात करने में अपना योगदान देंगे। राज्य सरकार के इस कदम को सार्थक परिणति तक पहुंचाने के काम को गति देने के लिए जनता के सुझाव भी आने लगे हैं। ऐसे सुझावों में एक सुझाव गरीबों को 'अर्ध धनवान' नाम देने का भी है। इसी तरह भिखारियों को 'सड़क के स्टार्टअप खोजी' कहकर देश की इस समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है। शुतुरमुर्ग के बारे में यह कहा जाता है कि संकट आने पर वह अपना सर रेत में छुपा लेता है और मान लेता है कि क्योंकि संकट उसे नहीं दिख रहा, इसलिए वह मिट गया है। कुछ ऐसी ही प्रवृत्ति हमारी सरकारों में दिख रही है। अन्यथा यह कैसे संभव है कि बेरोज़गार को आकांक्षी युवा कहने से उसका संकट मिट जायेगा? किसी भी समस्या का समाधान समस्या की आंख से आंख मिलाकर उसका सामना करने से होता है, न कि यह मान लेने से कि समस्या है ही नहीं। हमें यह मानना ही होगा कि बेरोज़गारी और गरीबी हमारी बहुत बड़ी समस्या है- और चुनौती भी। इस समस्या का समाधान चुनौती को स्वीकार करके ही किया जा सकता है।

अक्सर वक्त की सरकारें लोकलुभावनी नारों से जनता को भरमाने की कोशिश करती हैं, और अक्सर जनता इन नारों के जाल में फंस जाती है। 'इंडिया शाइनिंग' से लेकर 'अच्छे दिन' तक के नारों के शोर हम सुनते रहे हैं। इस तरह के नारे समय-विशेष की आवश्यकताओं के संदर्भ में कुछ सांत्वना भले ही देते हों, पर अक्सर यह देखा गया है कि सरकारें बदलती स्थितियों के अनुसार अपने वादों और दावों को बदलती रहती हैं और अक्सर उन्हें जनता को भरमाने के अपने उद्देश्य में सफलता भी मिल जाती है। आधी सदी से ज़्यादा समय हो गया है जब देश में 'गरीबी हटाओ' का नारा चला था। तब से लेकर आज तक अलग-अलग दलों की सरकारें आती-जाती रहीं, पर देश की गरीबी नहीं मिटी। आंकड़ों से भले ही गरीबी के कम होने की दुहाई दी जा रही हो, पर यह तथ्य अपने आप में परेशान करने वाला है कि आज देश की 80 करोड़ आबादी, यानी आधी से कहीं ज़्यादा आबादी, पांच किलो अनाज के सहारे जी रही है! उस पर तुर्रा यह कि हमारी सरकार इसे अपनी उपलब्धि के रूप में गिनाती-जताती है!

आज़ादी प्राप्त करने के 78 साल बाद भी यदि देश की 80 करोड़ आबादी को सरकारी सहायता के रूप में मिलने वाले मुफ्त अनाज के सहारे जीना पड़ रहा है तो यह किसी भी सरकार के लिए गर्व की नहीं, चिंता की बात होनी चाहिए, और इसे सरकार की एक उपलब्धि के रूप में गिनाया जा रहा है! हर साल दो करोड़ बेरोज़गारों को रोज़गार देने का वादा करके सत्ता में आने वाली सरकार देश के बेरोज़गारों को 'आकांक्षी युवा' का नाम देकर अपने वादों को भुलाने की कोशिश कर रही है, इसे राष्ट्रीय चिंता के रूप में ही स्वीकारा जाना चाहिए। जिस तरह सुलझाने के लिए पहले समस्या के अस्तित्व को स्वीकारना ज़रूरी होता है, उसी तरह मौजूद स्थितियों को भी स्वीकारना होता है। तभी स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कुछ सार्थक किया जा सकता है। पर हमारी सरकारें तो जनता की समस्याएं सुलझाने के बजाय जनता को भरमाने की नीति में विश्वास करती हैं। ऐसा नहीं है कि बेहतर स्थितियों के लिए कुछ नहीं हुआ, बहुत कुछ हुआ है, पर जितना कुछ हुआ है उससे कहीं अधिक होना बाकी है। जो किया है, उसका यश सरकारों को मिलना चाहिए, पर जो किया जाना बाकी है उसे स्वीकारना भी सरकार का ही दायित्व है। यह दायित्व बेरोज़गार युवा को आकांक्षी युवा कहने से पूरा नहीं होगा। कुछ ठोस करने की आवश्यकता है।

बेरोज़गारी हमारी समस्या है, गरीबी हमारी समस्या है। यह तथ्य स्वीकारना ही होगा। नये नामों या नये नारों से बात नहीं बनेगी। 'अच्छे दिन' को परिभाषित करके उन परिकल्पनाओं को धरती पर उतारना ही होगा। पुराने नारों को भुलाकर नये नारों से भरमाना, संभव है, कुछ तात्कालिक लाभ दे दे, पर किसी इलाहाबाद को प्रयागराज नाम देने से या बेरोज़गार को आकांक्षी कह देने से बात नहीं बनेगी। 'व्यापम घोटाले' के बाद संस्था का नाम कर्मचारी चयन बोर्ड कर देने से किसी व्यापम वाली शर्म मिट नहीं जायेगी। युवाओं को नया नाम नहीं, काम चाहिए। महंगाई को 'कीमतों में विविधता' और भ्रष्टाचार को 'नवाचार' कहना नीति में नहीं, नीयत में खोट का संकेत है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

जहाँ सौ में से अस्सी आदमी भूखे मरते हों, वहाँ दारु पीना गरीबों के रक्त पीने के बराबर है।

- प्रेमचन्द

आज का इतिहास

- 1852: मुंबई-कराची मार्ग पर प्रयोग के लिए सिंध डाक नामक डाक टिकट जारी।
- 1862: कलकत्ता हाई कोर्ट का उद्घाटन।
- 1879: भारत में पोस्टकार्ड की शुरुआत।
- 1955: इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया का राष्ट्रीयकरण कर इसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का नाम दिया गया।
- 1960: अफ्रीकी देश घाना को गणराज्य घोषित किया गया।
- 1964: भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की स्थापना
- 1968: अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और 59 अन्य देशों ने परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तख्त किए।
- 1991: वारसा संधि भंग की गई।
- 1949: स्वतंत्र भारत में छोटी रियासतों का विलय। त्रावनकोर और कोचीन राज्य बना। यरह मालाबार मद्रास प्रांत के अधीन रहा।
- 1960: घाना को गणराज्य घोषित किया गया।
- 1965: भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम लागू।
- 1990: पूर्वी एवं पश्चिमी जर्मनी के बीच सीमा रेखा समाप्त।
- 1994: विश्व कप फुटबाल में आत्मघाती गोल करने वाले कोलंबियाई खिलाड़ी आंद्रेस एस्कोबार की हत्या।
- 1995: अमेरिका ने ताइवान के खिलाफ लागू प्रतिबंध हटाए।
- 1996: इच्छा मृत्यु कानून विश्व में पहली बार ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी प्रांत में लागू।
- 1997: हॉन्ग कॉन्ग ने 156 वर्ष के ब्रिटिश शासन के बाद चीन का अधिकार स्वीकार किया।
- 2000: लार्ड्स के 100वें ऐतिहासिक टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को हराया।
- 2003: समुद्र में सबसे गहराई तक जाकर विश्व कीर्तिमान बनाने वाली जापानी पनडुब्बी प्रशांत महासागर में लापता।
- 2006: शतरंज खिलाड़ी परिमार्जन नेगी सबसे कम उम्र के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने।
- 2017: भारत में अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण सुधार के रूप में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लागू किया गया।

निशाना

राजनीति उकसावे की !

-कृष्णेन्द्र राय

लेकर संविधान को ।
है मचा बवाल ।।
राजनीति उकसावे की ।
कर रही कमाल ।।
मिल रहा ना मुद्दा ।
एड़ी चोटी जोर ।।
बेवजह बेमतलब ।
शुरु हो गया शोर ।।
लेटकर और बैठ कर ।
संदेश रहे हैं छोड़ ।।
समझे हमको जनता ।
हैं हम भी बेजोड़ ।।
पी पीकर पानी ।
रहे हर पल कोस ।।
मिल रही ना सत्ता ।
है बेहद अफसोस ।।

राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस 1 जुलाई, 2025

रोगी के लिये स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर्स

■ ललित गर्ग

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, 'सेहत सबसे बड़ी पूंजी' है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरुआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं।

2025 की थीम है 'मास्क के पीछे: देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो।

वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और

एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्ज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता।

हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरयड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है, वे ही इंसान के जन्म के पहले साक्षी बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, करियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते है।

डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं। डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये डॉक्टर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं। इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भुत फरिश्तों के सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही डॉक्टर्स की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

लोक निर्माण विभाग बारिश में खराब हुई सड़कों की मरम्मत करे : कमिश्नर

कमिश्नर ने संभागीय समय सीमा की बैठक में दिए निर्देश

राष्ट्रीय परिवार सहायता एवं अनुग्रह सहायता राशि के प्रकरण लंबित न रहे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बारिश में जो सड़के खराब हुई है उनकी मरम्मत का कार्य लोक निर्माण विभाग प्राथमिकता से करें। खराब सड़कों की मरम्मत कर उसे चलने योग्य बनाएं। नगरीय निकाय भी विभिन्न वॉर्डों में बारिश से खराब हुई सड़कों की मरम्मत का कार्य करें। नगरीय निकाय बारिश के दौरान पेयजल की आपूर्ति सुचारू रूप से करें। साथ ही घरों के कचरे के निष्पादन के लिए नियमित रूप से कचरा वाहन विभिन्न वार्डों में पहुंचाएं। बारिश के दौरान स्ट्रीट लाइट भी निर्बाध रूप से चालू रहे। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने सोमवार को संभागीय समय सीमा की बैठक में दिए। कमिश्नर ने कमांडेंट होमगार्ड को निर्देश दिए कि वह बारिश के दौरान नदी के घाटों पर किसी भी आकस्मिक दुर्घटना को रोकने के लिए पर्याप्त मात्रा में होमगार्ड बल की तैनाती करें और बचाव के सभी उपकरण तैयार रखें। उन्होंने

सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने कार्यालय के भवनों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें और यह सुनिश्चित करें कि यदि भवन जर्जर है तो उसे डिस्मेंटल कराए। यदि भवन डिस्मेंटल नहीं हो पा रहा है तो उस जर्जर भवन से कर्मचारियों को हटा कर अन्यत्र शिफ्ट करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि किसी भी प्रकार की आकस्मिक दुर्घटना होने पर संबंधित अधिकारी पर जवाबदेही तय की जाएगी।

कमिश्नर श्री तिवारी ने लोक निर्माण विभाग एवं ब्रिज कारपोरेशन के अधिकारियों को निर्देश दिए की वह ऐसी सड़कों को चिन्हित कर लें जहां बारिश में दुर्घटना की संभावना बनी रहती हैं। ऐसी सड़कों पर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय अनिवार्य रूप से किए जाएं। उन्होंने खाद्य विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह शासन के निर्देश अनुसार पेट्रोल पंपों का निरीक्षण करना भी सुनिश्चित करें।

कमिश्नर श्री तिवारी ने सहायक श्रम आयुक्त को निर्देश दिए कि वह अनुग्रह सहायता राशि एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि के प्रकरण लंबित न रखें। कमिश्नर ने बताया कि केसला सहित अन्य विकास खंडों में अनुग्रह सहायता राशि एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि के प्रकरण लंबित है , यह स्वीकार योग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों पर तत्काल कार्रवाई कर हितग्राहियों को लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। कमिश्नर ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे स्कूलों में जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में और गति लाए। सभी पात्र छात्र-छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र समय सीमा में बन जाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि उनके विभाग में जिला स्तर से प्रमोशन किए जाते हैं तो वह 15 जुलाई तक अपने कर्मचारियों का प्रमोशन कर प्रथम चरण की प्रमोशन की लिस्ट जारी करें। कमिश्नर ने उप संचालक कृषि को निर्देश दिए कि वह श्री अन्न फसल को फसल गिरदावरी में अनिवार्य रूप से शामिल कराए। कमिश्नर श्री तिवारी ने एसी लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि वे पचमढ़ी में सरकारी आवास में अनाधिकृत रूप से रह रहे व्यक्तियों को चिन्हित कर ऐसे व्यक्तियों पर शासकीय राशि अधिरोपित कर शासकीय कोष में जमा कराना सुनिश्चित करें।

संभागीय समय सीमा की बैठक में उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल , संयुक्त आयुक्त विकास जी सी दोहर सहित सभी संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

जिला उपार्जन समिति की बैठक में कलेक्टर ने की मूंग उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा

ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन की तैयारियां समय पर पूरी की जाएं : कलेक्टर

उपार्जन के लिए पंजीकृत किसानों का सत्यापन शीघ्र किया जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सोमवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने जिले में प्रस्तावित आगामी मूंग उपार्जन सहित गत माह पूर्ण गेहूं खरीदी भुगतान एवं खाद-उर्वरक वितरण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री मीना ने समस्त एसडीएम को निर्देशित किया कि मूंग उपार्जन हेतु पंजीकृत किसानों जिनका रकबा सत्यापन ई-उपार्जन पोर्टल पर लंबित है, उनका सत्यापन समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इस दौरान उपसंचालक कृषि जे आर हेडाउ ने जानकारी दी कि अब तक जिले में 70 हजार से अधिक किसानों ने मूंग उपार्जन के लिए पंजीयन कराया है।

कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि 5 जुलाई तक मूंग उपार्जन की समस्त प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएं ताकि उपार्जन केंद्रों पर निर्धारित तिथि से किसानों से मूंग खरीदी शुरू की जा सके। उपार्जन केंद्र निर्धारण हेतु आवश्यक तैयारियां कर शीघ्र प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए

गए हैं।

इसके साथ ही कलेक्टर ने डीएम वेयरहाउसिंग को निर्देश दिए कि वेयरहाउस का सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं। जिन वेयरहाउस में कमियां पाई जा रही हैं, उनके प्रस्ताव उपार्जन केंद्र के रूप में न भेजे जाएं। बैठक के दौरान कलेक्टर ने गेहूं खरीदी के शेष बचे भुगतान की कार्रवाई तत्काल पूरी करने और रिप्रोसेस एवं फेल्ड ट्रांजैक्शन के प्रकरणों में किसी भी प्रकार की देरी न करते हुए किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने जिले में खाद एवं उर्वरक वितरण की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि खाद वितरण केंद्रों पर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं ताकि किसानों को समय पर खाद-उर्वरक की आपूर्ति हो सके।

समय समय पर खाद एवं उर्वरक की उपलब्धता के संबंध में समय समय पर पर्याप्त रूप से प्रचार भी किया जाए। बैठक के दौरान उपसंचालक कृषि जे आर हेडाउ, जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू, जिला विपणन अधिकारी देवेन्द्र यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार 07 बाढ़ बचाव केंद्र स्थापित

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 41 जवान रहेंगे तैनात

नर्मदापुरम. जिले में वर्षा काल की स्थिति में अतिवृष्टि तथा नर्मदा घाटों एवं अन्य स्थानों पर जलस्तर में वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना ने बाढ़ बचाव केंद्र स्थापित किए जाने के निर्देश दिए है। तत्संबंध में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड द्वारा जिले के बाढ प्रभावित क्षेत्रों में 07 बाढ बचाव केन्द्र स्थापित किये गये है साथ ही संचार व्यवस्था हेतु बाढ़ नियंत्रण केन्द्र गनेरा, एवं तवाडेम तवानगर में वायरलेस सेट स्थापित किये गये है। साथ ही बाढ की स्थिति से निपटने के लिये प्रभावित क्षेत्र उमरधा, सांडिया, सोहागपुर माखननगर, सांगाखेडा, पापनगांव, एवं सेठानीघाट में बाढ बचाव केन्द्र स्थापित किये गये है जिसमें 41 होमगार्ड जवान एवं 05 मोटर बोट विथ ओबीएम एवं मय बचाव उपकरण सहित तैनात किये गये है।

जिले में आपात स्थिति से निपटने के लिये ईओसी, क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) डिवीजनल रिजर्व में कुल 30 जवान, एवं एसडीईआरएफ के 27 जवान जिला मुख्यालय पर तैनात किये गये है एवं जिला होमगार्ड कार्यालय में बाढ बचाव हेतु 15 मोटर बोट मय ओबीएम, आसका लाईट, लाईफ वॉय, लाईफ जाकेट, रस्सा, टार्च, स्टेचर, आदि अन्य बचाव सामग्री सहित आवागमन हेतु क्विक् रिस्पांस वाहन, एवं 06 अन्य वाहन उपलब्ध है। बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर ईओसी केन्द्र होमगार्ड कार्यालय नर्मदापुरम के दूरभाष नंबर 07574-252153 एवं कन्ट्रोलरूम जिला कलेक्ट्रेट नंबर 07574-251292 पर संपर्क स्थापित कर सकते है।

जगतगुरु का नगर आगमन 12 को, भव्य शोभा यात्रा के बाद 3 दिन होंगे प्रवचन

गंजबासौदा। रामानंदाचार्य स्वामी डॉ रामकमलाचार्य जी महाराज का जगतगुरु की उपाधि के उपरांत प्रथम नगर आगमन 12 जुलाई को हो रहा है। इस अवसर पर स्थानीय रेलवे स्टेशन से सुबह 9 बजे नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए वेदांत आश्रम तक एक भव्य शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। साथ ही 12 जुलाई से 14 जुलाई तक दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक डॉक्टर वेदांती जी के श्रीमुख से धार्मिक प्रवचन का भी आयोजन वेदांत आश्रम जीवजीपुर में होगा। यह समस्त जानकारी सोमवार को वेदांत आश्रम जीवाजीपुर में आयोजित एक प्रेसवार्ता के माध्यम से आश्रम के महंत हरिहरदास महाराज ने दी महाराज ने मीडिया के माध्यम से नगर वासियों से अपील की है कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में संतों ने क्षेत्र के गौरव वेदांत आश्रम के संस्थापक स्वामी वेदांती जी को जगतगुरु की उपाधि दी है जिसके उपरांत उनका यह प्रथम नगर आगमन है हम सब उनकी आगवानी में शामिल होकर जगतगुरु का भव्य स्वागत करें। साथ गुरुपूर्णिमा के शुभ अवसर पर तीन दिवसीय प्रवचन में शामिल होकर धर्म लाभ लेवें।

वन स्टॉप सेंटर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित

नर्मदापुरम। सोमवार को वन स्टाप सेंटर नर्मदापुरम में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव/न्यायधीश श्री विजय कुमार पाठक द्वारा उपस्थित महिलाओं से उनकी समस्या सुनकर काउंसलिंग की तथा विधिक सेवा प्राधिकरण से दी जाने वाली सहायता की जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अमय सिंह के द्वारा न्यायालय अंतर्गत दी जाने वाली सेवाओं, योजनाओं के शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जानकारी दी गई, न्यायालय संबंधित जानकारी हेतु 15100 टोल फ्री नम्बर की जानकारी दी। प्रशासक प्रतिभा बाजपेयी ने वन स्टॉप सेंटर की योजनाओं की जानकारी दी, 181 महिला हेल्पलाइन, घरेलू हिंसा रोकथाम अधिनियम 2012 की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में वन स्टाप सेंटर का स्टाफ उपस्थित रहा।

वर्षा में बस संचालन हेतु सुरक्षा संबंधी सावधानियों के पालन हेतु निर्देश जारी

नर्मदापुरम। वर्षा ऋतु में यात्री बसड्ड संचालन के दौरान सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियों के पालन हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों का उद्देश्य बस यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, खासकर भारी वर्षा के दौरान जब सड़कें फिसलन भरी हो जाती हैं और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। तत्संबंध में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम श्रीमती रिंकु शर्मा ने अध्यक्ष एवं सचिव बस ऑपरेटर यूनियन नर्मदापुरम को निर्देश दिए है कि किसी भी स्थिति में ऐसी पुल-पुलियों और रपटों पर बस नहीं ले जाएं जिन पर पानी भरा हो। बसों की पूर्व फिटनेस जाँच करवाकर उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम स्थिति में ही संचालित करें। बसों में ओव्हर लोडिंग न करें और निर्धारित बैठक क्षमता का पालन करें। बसों का संचालन परमिट में निर्धारित समय और मार्गानुसार ही करें। चालकों को मौसम के अनुसार सर्तकता और सावधानी पूर्वक वाहन चलाने के निर्देश दें। इन निर्देशों का उल्लंघन या किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित बस ऑपरेटर के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी, जिसमें परमिट निरस्तीकरण की कार्यवाही भी शामिल है।

जातिवाद का जहर लोकतंत्र के लिए घातक : अरुण दीक्षित

नर्मदापुरम। उत्तर प्रदेश इटावा की घटना निश्चित ही भारत सरकार के लिए एक चिंता का विषय होना चाहिए जहां भागवत कथा की प्रस्तुति पर दो समुदाय में संघर्ष हुआ हर जाति हर धर्म हर समाज को धर्म ध्वज लेकर चलने का अधिकार हमारा संविधान देता है लेकिन इसके पीछे जाति धर्म समाज की प्रस्तुति नहीं करते हुए सिर्फ और सिर्फ राष्ट्र चिंतन सर्वोपरि होना चाहिए उक्त उद्गार व्यक्त करते हुए सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के अध्यक्ष अरुण दीक्षित ने कहा कि भारतीय सेना जो देश की सुरक्षा में लगी है वहां गोरखा रेजीमेंट सिख रेजीमेंट में महर रेजीमेंट आईटीबीटी जैसी फौज है जहां जाती नहीं देखी जाती सिर्फ राष्ट्र सेवा कोई महत्व दिया जाता है राजनीतिक परिपेक्ष में 70 साल से आरक्षण का आलिंगन बोट की राजनीति के तहतकिया जा रहा है सवाल आरक्षण हटाने से नहीं उसकीनीतियों से जहां योग्यता का हरण किया जाता है 45त्न योग्यता रखने वाला 90त्न से आगे निकल जाता है यही दुर्भावना युवा पीढ़ी के लिए असहनीय है जिससे जातिवाद को बढ़ावा मिल रहा है और यही जातिवाद का जहर लोकतंत्र के लिए घातक होता जा रहा है सभी जाति धर्म समाज में बुद्धिजीवी वर्ग भी राष्ट्र चिंतन में अपनी सहभागिता निभाता है सभी को आगे आकर एक ऐसी व्यवस्था बनाना चाहिए जहां प्रेम भाव सद्भावना की अभिव्यक्ति के साथ देश के गौरव को बढ़ाने में हर नागरिकअपनी अहम भूमिका निभा सके.

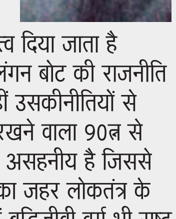

पंचतत्व ने किया पौधरोपण तो स्कूल ने लिया पानी देने का संकल्प

गंजबसौदा, दोपहर मेट्रो

स्थानीय शासकीय एकीकृत उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पंचतत्व संरक्षण समिति ने कदम ओर अशोक के पौधों का रोपण स्कूल के बच्चों ओर प्रधानाध्यापक अनिल दुबे के साथ किया। जिनमें पानी देने का संकल्प स्कूल के स्टाफ ने लिया पौधे पंचतत्व ने उपलब्ध कराए और उनकी सुरक्षा के आयरन ट्री गार्ड विद्यालय ने दिए। इस मौके पर स्कूल प्रधानाध्यापक अनिल दुबे, मधुर श्रीवास्तव, नेतराम मिश्रा श्रीमती रुचिता यादव ,मनोज भार्गव, पंचतत्व समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी, प्रमोद सिंह राजपूत, रणवीर सिंह , बृजेंद्र दांगी, भगत सिंह एवं छात्र उपस्थित थे

स्कूल वाहनों की हुई सघन जांच, 15 वाहनों पर 20,000 की चालानी कार्यवाही

नर्मदापुरम। आयुक्त परिवहन, संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी तथा कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना के निर्देशों के परिपालन में जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु स्कूल वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान दस्तावेजों की पूर्ति न होने, सुरक्षा मानकों का पालन न करने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 15 स्कूल वाहनों पर कार्यवाही की गई। इन वाहनों पर कुल 20 हजार की चलानी राशि वसूल की गई।

मेट्रो एंकर विषधा में जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन

विधायक ने पंचायत भवन का किया भूमि पूजन

गंजबसौदा, दोपहर मेट्रो

ग्राम पंचायत विषधा में जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन सोमवार को क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर 37.50 लाख की लागत से बनने वाले ग्राम पंचायत भवन का भूमि पूजन भी विधायक द्वारा किया गया। इसमें ग्राम स्तरीय शिविर आयोजित किए गए अब तक 81 ग्रामों में शिविर संपन्न किए गए है।संपन्न हुए शिवरों में जनजाति समुदायों के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जन् कल्याणकारी योजनाओं एवं

सेवाओं की जानकारी प्रदान करते हुए उन्होंने मौके पर लाभान्वित किया गया। जिले में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के शिविरों में जनजाति समुदाय के उपस्थित जनों से आवेदन पत्र प्राप्त कर उनका समाधान किया गया। वहीं विभिन्न योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया गया है। आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक ने बताया कि अब तक संपन्न शिविरों में 1610 नागरिकों को व्यक्तिगत सेवाओं से लाभान्वित किया गया है। जिसमें आधार कार्ड,राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र,ई केवाईसी, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति, सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जन धन खाता, मनरेगा, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

जिन पर संबंधित विभागों के द्वारा कार्यवाही कर आवेदकों को हितलाभ से लाभान्वित किया जा चुका है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा धरती आबा अभियान तहत जिन जिन ग्रामों में शिविर आयोजित किए गए उन सब में मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन में मौजूद चिकित्सक सहित अन्य स्टाफ के द्वारा ग्रामीण जनों के स्वास्थ्याओं का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाइयां निशुल्क प्रदाय की गई है वहीं परीक्षण के दौरान गंभीर बीमारियों से ग्रस्त पाए गए मरीजों को जिला चिकित्सालय अथवा मेडिकल कॉलेज रेफर करने की प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।

कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक, वर्षाकाल की व्यवस्था पर फोकस

लंबित आवेदनों की समीक्षा, जल निकासी प्रबंध, गोवंशों को गौशाला भेजने के निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन, समाधान आनलाइन तथा मुख्यमंत्री मानिटरिंग सेल और वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त होने वाले आवेदनो के निराकरणो पर विभागवार अब तक सम्पादित की गई कार्यवाही से संबंधित विभाग के जिलाधिकारियों ने अवगत कराया है।

कलेक्टर ने लंबित आवेदनो की समीक्षा के दौरान वर्षाकाल को ध्यानगत रखते हुए विभागो के अधिकारियों को विशेष सतर्कता, सावधानी बरतने के निर्देश दिए है। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया है कि जिले के सभी पेयजल स्त्रोतो का पानी दूषित ना हो सकें इसके लिए आवश्यक शुद्धिकरण दवाईयां डालने का कार्य युद्धगति से क्रियान्वित किया जाए। उन्होंने निजी जल स्त्रोतो के संबंध में भी इसी प्रकार के निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनो की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों को निराकरण का संतुष्टिपूर्वक समाधान हो के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित कराने हेतु ताकिद किया गया है। उन्होंने विभागवार लंबित सौ दिवस से लंबित समाधान रिपोर्ट, सीएम हेल्पलाइन के तहत सौ दिवसीय, पचास दिवसीय और जून माह के लंबित विभागवार आवेदनो के निराकरण हेतु विभागो के माध्यम से की जा रही पहल की समीक्षा करते हुए संबंधित क्षेत्रो के एसडीएमो को भी निराकरण की समीक्षा स्थानीय स्तर पर करने और विभागो में समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर ने बैठक के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया है कि जिले के जो भी शासकीय भवन कण्डम हो गए है उन सबको डिसमेंटल कराने की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराइ जाए ताकि क्षतिग्रस्त भवनो में वर्षाकाल के दौरान किसी भी प्रकार की घटना घटित ना हो पाए।।

गुप्ता ने कहा कि जिले की शासकीय उचित मूल्य दुकानो से हितग्राहियों को तीन माह का राशन एक साथ वितरित किया जा रहा है उक्त वितरण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए। उन्होंने ततसंबंध में सभी एसडीएमों को विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा है कि उचित मूल्य दुकाने समय पर खुले और उनकी मॉनिटरिंग क्रियान्वित की जाए। हितग्राहियो को राशन प्राप्ति में कहीं दिक्कते आती है तो अविलम्ब कार्यवाही करें।

खदानो से रेत उत्खन्न कार्यो पर प्रतिबंध

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने मानसून सत्र की अवधि में 30 जून से एक सितम्बर तक जिले की समस्त रेत खदानो से उत्खनन कार्यो पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी कर दिया है। कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग इन्दौर के द्वारा जारी वर्षा ऋतु मानसून सत्र की अवधि निर्धारित की है के परिपालन में जिले में रेत उत्खनन पर रोक लगाने के संबंध में स्थानीय मौसम परिवर्तन के आधार पर उक्त निर्धारित वर्षाकाल अवधि में परिवर्तन किया गया है तदानुसार अब 30 जून से एक सितम्बर तक जिले की सभी प्रमुख एवं अतिरिक्त रेत खदानो से रेत निकासी के लिए बनाई गई अस्थायी संरचनाएं जैसे पुल पुलिया, सड़क हेतु डाली गई मिट्टी, मुरम आदि मलवा को नदी के जल प्रवाह क्षेत्र से हटाना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा जारी आदेश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश जिला खनिज अधिकारी के साथ-साथ संबंधितो को जारी किए गए है।

सड़को की मरम्मत

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्षा के दौरान जल मिशन के कार्यो का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए है कि जल मिशन के द्वारा नल से घर तक जल पहुंचाने के कार्यो को संपादित कराने हेतु ग्रामीण क्षेत्रो में पाइपलाइन विस्तारीकरण कार्यो के दौरान सड़को को जो क्षति पहुंचाई गई है वह मरम्मत की गई है कि नहीं का परीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश संबंधित विभागो के अधिकारियों को दिए गए है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जल निगम के कार्यो से ग्रामीणजनों को गांव के अन्दर आवागमन में दिक्कत ना हो। मार्ग कीचड़ रहित हो इसके लिए लोक निर्माण विभाग, आरईएस और पीएमजीएसबाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विभागीय सडको का आंकलन करें और क्षतिग्रस्त हुई सड़को की जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने आगामी टीएल बैठक में समुचित जानकारियों सहित उपस्थित होने के निर्देश विभागो के अधिकारियों और जल निगम के अधिकारियों को दिए है।

जल निकासी के प्रबंध सुनिश्चित करें

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने वर्षाकाल को ध्यानगत रखते हुए निकायो एवं जनपदो के सीईओ को निर्देश दिए है कि वर्षारूपी जल का भराव रहवासी क्षेत्रो में ना हो कि व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रो में वर्षाकाल के दौरान कीचड़ ना हो के लिए पूर्व में ही किए गए प्लान का क्रियान्वयन करें ताकि गांव में जल भराव ना हो सकें। कलेक्टर गुप्ता ने कहा कि वर्षाकाल के दौरान गौवंश खुले में विसरण ना करें खासकर ग्रामीण क्षेत्रो में इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए कि गौवंश सड़को पर ना बैठे। उन्होंने ऐसे सभी गौवंशो को नजदीक की गौशाला में शिफ्ट कराने की व्यवस्था क्रियान्वित कराने के निर्देश दिए है। गुप्ता ने कहा कि वर्षाकाल के दौरान पुल-पुलियों पर सुरक्षा के प्रबंध सुनिश्चित कराए जाएं खासकर पुल-पुलियो के ऊपर वर्षारूपी जल बहाव होने के कारण आवागमन प्रतिबंधित रहें सुरक्षा के दृष्टिकोण से आवश्यक प्रबंध पूर्व में ही सुनिश्चित कराए जाएं इसी प्रकार के निर्देश ग्रामीण क्षेत्रो में भी क्रियान्वित करने के निर्देश विभागो के अधिकारियों को दिए गए है।

पीडीएस गोदाम व उचित मूल्य दुकान का एसडीएम ने किया निरीक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शासन के द्वारा 3 महीने का राशन उपभोक्ताओं को एडवांस में देने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को इसका वितरण कितना हुआ है उसकी जमीनी हकीकत देखने के लिए एसडीएम हर्षल चौधरी, सहायक खाद आपूर्ति अधिकारी के साथ पीडीएस वितरण गोदाम पर पहुंचे उन्होंने यहां पर कितना स्टॉक है कितना वितरण हो गया है कितनी शक्कर चावल नमक आदि का भंडार है उसको परख साथ ही यहां पर बताया गया की 80त्न खाद्यान्न का पहुंचा दिया है। एसडीएम ने कहा कि इसमें किसी भी तरह की चूक ना इसका विशेष ध्यान रखें। इसके अलावा देवीटोरी शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण करके हितग्राहियों से चर्चा की इसके साथ ही प्रशासन के अधिकारियों को राशन वितरण में सावधानी बरतनी होगी क्योंकि कई सेल्समेनों के द्वारा एक दो महीने का राशन देकर बाकी को गोलमाल भी कर सकते हैं।पहले भी राशन की कालाबाजारी के मामले सामने आ चुके हैं। गरीबों के हक पर कई लोगों के द्वारा डंक डालकर बाजार में बेचकर इस काम को अंजाम दे दिया जाता है। इसीलिए अधिकारियों को इस तरफ भी ध्यान देना होगा तभी गरीबों को उनका हक पूरी तरह मिल पाएगा।

खुले हुए बिजली के ट्रांसफार्मर लटकते तार, बड़ी दुर्घटना को दे रहे हैं दावत

सिरोंज। बिजली वितरण कंपनी के द्वारा बिजली लाइनों के मेंटेनेंस के नाम पर लाखों रुपए की राशि खर्च की जा रही है उसके बाद भी खुले हुए ट्रांसफार्मर लटकते हुए बिजली के तार नजर रहा है। किसी दिन इस लापरवाही के कारण बड़ी दुर्घटना भी घटित हो सकती है। इनकी मरम्मत और इनमें सुधार का कार्य क्यों नहीं हो रहा रहा है या फिर मेंटेनेंस का कार्य केवल कागजों में करके भ्रष्टाचार हो रहा है तभी तो इस तरह की तस्वीर है शहर में अनेकों स्थान पर देखने को मिल रही है बरसात के मौसम में दुर्घटना होने का डर जरूर बना हुआ है खुले हुए बिजली के ट्रांसफार्मर और लटकते हुए तारों के कारण कभी भी दुर्घटनाएं हो सकती हैं ।

एसपी ने कुरवाई व सिरोंज थाना सहित एसडीओपी कार्यालय का किया निरीक्षण, दिशा-निर्देश दिए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी द्वारा दिनांक 30 जून 2025 को थाना कुरवाई, एसडीओपी कार्यालय कुरवाई,थाना सिरोंज एवं एसडीओपी कार्यालय सिरोंज का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं कानून व्यवस्था से जुड़ी तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान थाना कुरवाई में पदस्थ स्टाफ की उपस्थिति, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, अभिलेख संधारण,लंबित प्रकरणों की स्थिति एवं समग्र थाना प्रबंधन पर बारीकी से ध्यान देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर एसडीओपी कुरवाई रोशनी ठाकुर एवं थाना प्रभारी निरीक्षक आर.के. मिश्रा उपस्थित रहे। तत्पश्चात एसपी काशवानी ने थाना सिरोंज एवं एसडीओपी कार्यालय सिरोंज का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एसडीओपी सिरोंज उमेश तिवारी एवं थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज गीते मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने रिकॉर्ड रख-रखाव, शिकायत निवारण प्रणाली, दैनिक ड्यूटी अनुशासन,कर्मचारियों की कार्यशैली एवं थाना परिसर की साफ-सफाई की स्थिति का अवलोकन कर आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए।

काशवानी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि कानून व्यवस्था से जुड़े किसी भी मामले में लापरवाही न हो। सभी अधिकारी फील्ड में रहकर मुस्तैदी से कार्य करें एवं हर स्तर पर सतर्कता बनाए रखें।

ठेकेदार ने कीचड़ में बना दी सीसी सड़क, भड़के नगर पालिका अध्यक्ष ने लगाई फटकार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद से निर्माण कार्य लेकर खुलेआम अधिकांश ठेकेदारों के द्वारा भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है इसके कुछ दिनों में ही सड़क उखाड़ने लगती है इसी तरह का एक कार्य सोमवार को मंडी से लगकर नगर पालिका के ठेकेदारों द्वारा सीसी मार्ग बनाने में खानापूर्तिकी जा रही थी इसकी जानकारी लगते ही नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू इंजीनियर आदि के साथ मौके पर पहुंचे और ठेकेदार को फटकार लगाते हुए कहा कि सबसे पहले यहां से कीचड़ को हटाओ उसके बाद बेस बना इस तरह की लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे साथ ही उन्होंने इंजीनियर को निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क का कार्य स्वयं खड़े होकर करवाओ गुणवत्ता के साथ कार्य होना चाहिए।इस से पहले गुपचुप तरीके ठेकेदार के द्वारा कीचड़ में ही बेस डालकर सी सी सड़क बनाने की तैयारी कर ली थी इसके बाद इसकी पोल कुछ दिनों के बाद खोल और सड़क जगह-जगह से उखाड़ने लगती अब देखना है कि उक्त ठेकेदार से नगर पालिका के अधिकारी गुणवत्ता के साथ कार्य कर पाएंगे या नहीं या फिर ठेकेदार अपने हिसाब से घटिया काम करके सब गोलमाल कर देंगे। इससे पहले भी इस तरह के घटिया कार्य शहर में देखने को मिल रहे हैं चंद दिनों में ही लाखों रुपए की लगा बनाई गई सड़क उखड़ रही है कुछ जगह तो सड़के देखने को ही नहीं मिल रही है। नगर पालिका रामप्रकाश साहू ने बताया कि हमने ठेकेदार को फटकार लगाते हुए कहा कि सबसे पहल यहां से मिट्टी हटाए इसके बाद बेस बनाएं तथा इंजीनियर खड़े होकर काम करने के लिए निर्देश किया है।

24 घंटे में पुलिस ने दो चूडियां बरामद कीं दो वारदातों का खुलासा

तेंदूखेडा। पुलिस द्वारा लगातार दो चोरी करने वाले आरोपी को 24 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार किया है घटना के संबंध में . 28 जून को जगदीश चक्रवर्ती निवासी वार्ड नंबर 08 विद्यानगर तेंदूखेडा ने अपने घर के अंदर रखें चांदी के जेबरात, छोटी बडी पायलें, संतान साते की चूडी, किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले जाने के संबंध में रिपोर्ट कराई थी। इसी प्रकार दूसरी घटना. 29 जून. को नेहा साहू उ निवासी तारादेही रोड ने अपने घर के अंदर रखे चांदी के जेबरात दो जोडी कंगन, एक चांदी की चेन, एक जोडी चांदी की राईबोरा पायल, दो जोडी चांदी के बच्चों के कंगन, दो चांदी के करडोरा तीन चांदी की संतानसाते की चूडियां, एक चांदी को डोरी व एक सायकिल किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले जाने के संबंध में रिपोर्ट कराई थर। इस पर पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक सुधीर भदोरिया एवं एसडीओपी देवीसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना तेंदूखेडा पुलिस की गठित टीम द्वारा दोनो चोरियों के आरोपी को मय चोरी के माल के 24 घंटे के अंदर किया गया गिरफ्तार । जप्त मशरुका - 1. चांदी के जेबर एक जोड चांदी की पायलें, चार संतान साते की चांदी की चूडियां कीमती करीबन 14,000 रूपये । 2. दो जोडी कंगन, एक चांदी की चेन, एक जोडी चांदी की राईबोरा पायल, दो जोडी चांदी के बच्चों के कंगन, दो चांदी के करडोरा तीन चांदी की संतानसाते की चूडियां, एक चांदी को डोरी व एक सायकिल कुल कीमती करीबन 1,70,000 रूपये । आरोपी का नाम रामकुमार उर्फ कुल्ले भटरिया मोहल्ला बताया गा है। इसके साथ दो महिलाएं भी शामिल है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी तेंदूखेडा नीतेश जैन, सउनि गजराज सिंह, बृजेश तिवारी, रूपेश तिवारी, नंदलाल कुर्मी, रणधीर सिंह, नीरज नामदेव,शैलेन्द्र बघेल, व राममिलन घोषी का विशेष योगदान रहा।

इमलीडोल में धरती आभा के अंतर्गत किया बीज वितरित

तेंदूखेड़ा! सोमवार को तेन्दूखेड़ा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत इमलीडोल में धरती आभा कार्यक्रम के तहत पंचायत भवन इमलीडोल मे आश्रित ग्रामों जरुआ, हाथीडोल एवं इमलीडोल के किसानों के लिए कृषि विभाग एवं ग्रामीण विकास समिति द्वारा बीज वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग द्वारा 200 किसानों को उड़द मिनी किट वितरित की गई, वहीं ग्रामीण विकास समिति द्वारा 88 किसानों को कोदो और कुटकी बीज प्रदान किए गए। इस अवसर पर कृषि विस्तार अधिकारी सु श्री प्रिया तिवारी ने किसानों को लघु अनाज मिशन के अंतर्गत कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा एवं अन्य लघु धान्यों की खेती के लिए प्रशिक्षण दिया। साथ ही उन्होंने मृदा परीक्षण, प्राकृतिक एवं जैविक खेती के महत्व और तरीकों पर भी विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम में किसानों के मध्यप्रदेश किसान पोर्टल पर पंजीयन की प्रक्रिया भी की गई, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। ग्रामीण विकास समिति कार्यक्रम संगठक धरमदास पाल ने तीनों ग्रामो के किसानों को लाइन से बोनी करने और पंचगव्य, वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने के तरीके व फायदे के बारे में विस्तार से जानकारी व सुझाव दिए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सरपंच नवल झारिया, पंचायत सचिव भगवानदास यादव, ब्रजेश लोधी, कृषिविस्तार अधिकारी सुरेंद्र सिंह राजपूत, कृषक भागसिंह, श्रीमती तुलसा बाई, संध्या, लक्ष्मी रानी, व देवेंद्र सिंह, नीरज यादव, सहित कार्यक्रम में पंचायत के करीब 200 किसान सहभागी बने।

मेट्रो एंकर जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन में शामिल हुए विधायक उमाकांत

मध्यप्रदेश सर्वाधिक सिंचित और शुद्ध पेयजल सुविधा प्रदान करने वाला प्रदेश होगा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

आज जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर आयोजित ग्राम सेमलखेड़ी तहसील सिरोंज में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन कार्यक्रम एवं वाटरशेड सम्मेलन खण्डवा से लाइव प्रसारित हो रहे माननीय मुख्यमंत्री महोदय के उद्बोधन को विधायक श्री शर्मा ने वहां उपस्थित भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधियों एवं माता-बहिनों, नागरिकों, युवाओं के साथ सुना।

विधायक उमाकांत शर्मा ने कार्यक्रम में अपने उद्बोधन के दौरान कहा कि देश के यशस्वी, प्रभावी, गरीब हितैषी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से मध्यप्रदेश में यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व जल संरक्षण हेतु विगत 30 मार्च से 30 जून से जल स्त्रोत का अभूतपूर्व निर्माण एवं स्वच्छता अभियान संपन्न हुआ है। डबल इंजन की सरकार के मुख्यमंत्री और मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार तथा देश के प्रधानमंत्री तथा केन्द्र सरकार के माध्यम से प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा हेतु सन् 2014 से ऐतिहासिक, परिवर्तनकारी जल स्त्रोतों का, नदियों का, कुआं, बावडियों आदि जल स्त्रोतों की स्वच्छता की गई तथा मध्यप्रदेश की जीवन दायिनी नर्मदा मैया सहित नदी जोडों अभियान अंतर्गत सिंचाई एवं पेयजल की सुविधा का आगामी समय में विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य के अनुरूप सफलता पाकर मध्यप्रदेश सर्वाधिक सिंचित और शुद्ध पेयजल सुविधा प्रदान करने वाला प्रदेश होगा।

साथ ही कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जहां विगत 3 माह से मध्यप्रदेश सरकार के माध्यम से प्रयास किये गये हैं वहीं स्थानीय नदियों, नालों, वन भूमियों एवं राजस्व भूमियों में नदी तालाब, ताल-तलैया के संरक्षण में जनता, जनप्रतिनिधियों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी अन्यथा कांग्रेस की उपेक्षा के कारण अपने क्षेत्र में भारी मात्रा में कीमती लकडी सागौन तथा जंगल की अवैध कटाई हुई है। जल स्त्रोत, नदियों, तालाबों की रक्षा हेतु कांग्रेस सरकार ने ध्यान नहीं दिया, काम हुआ भी तो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। सभी सरपंचों, पार्षदों, त्रिस्तरीय पंचायत राज के जनप्रतिनिधि, नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधि, जागरूक नागरिकों को जल गंगा संवर्धन अभियान में लगातार सहयोग प्रदान करना चाहिए।

हमारे पूर्वज जनता के हित के लिए कुऐं, बावडी, ताल-तलैया, धर्मशालाओं का निर्माण करते थे सड़क किनारे छायादार, फलदार वृक्ष लगाते थे। भारतीय सनातन ज्ञान परंपरा में पेयजल उपलब्ध कराना जहां धर्म परोपकार के अनुरूप है वहीं इस से समृद्धि भी होती है। जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन के अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में, अध्यक्ष जनपद पंचायत सिरोंज श्रीमती पुष्पा-हमीर सिंह यादव, जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव, डॉ. संजीव माथुर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकगण, माता-बहिनें, युवा उपस्थित थे।

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी: सीरीज में 1.0 से आगे चल रही है मेजबान टीम

दूसरे टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड टीम में कोई नहीं, आर्चर को अभी करना होगा इंतजार

बर्मिंघम,, एजेंसी

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर फैमिली इमरजेंसी के कारण सोमवार को एजबेस्टन में टीम की प्रैक्टिस का हिस्सा नहीं बने। आर्चर के 2 जुलाई से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम के साथ फिर से जुड़ने की उम्मीद है। इंग्लैंड ने हालांकि हेडिंग्ले में तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के पहले मैच में 5 विकेट से जीत हासिल करने वाली प्लेइंग इलेवन को दूसरे टेस्ट के लिए बरकरार रखने का फैसला किया है।

दाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज 5 टेस्ट मैचों की इस सीरीज के लीड्स में खेले गए पहले मुकाबले में इंग्लैंड की टीम का हिस्सा नहीं था। उन्हें पिछले ही हफ्ते इंग्लैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। लेकिन आर्चर को प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनने के लिए अभी इंतजार करना होगा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को कहा, 'तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर परिवार में इमरजेंसी के कारण 30 जून, सोमवार को एजबेस्टन में इंग्लैंड टीम के प्रैक्टिस सेशन में शामिल नहीं होंगे। उनके मंगलवार को फिर से टीम के साथ जुड़ने की उम्मीद है। आर्चर पिछले कई वर्षों से दाहिने हाथ में कोहनी की चोट से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपना पिछला टेस्ट मैच 4 साल पहले अहमदाबाद में भारत के खिलाफ खेला था। तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के लीड्स में खेले गए पहले मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को आखिरी दिन 5 विकेट से हरा दिया था। भारत ने मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 471 रन बनाए थे। भारत के लिए पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल, उपकप्तान ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल ने शतकीय पारियां खेलीं। इंग्लैंड के लिए स्टोक्स और टंग ने 4 4 विकेट झटके, जबकि बशीर और कार्स को 1 1 सफलता मिली।

खास रणनीति के साथ उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ का दूसरा मुकाबला बुधवार, 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। इससे पहले सोमवार को भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने टीम इंडिया की संभावित रणनीति और बदलावों को लेकर अहम जानकारी दी। रयान टेन डोशेट ने साफ कहा कि दूसरे टेस्ट में कम से कम दो बदलाव होंगे। टीम बर्मिंघम टेस्ट में नए कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकती है।

बुमराह को आराम, लॉर्ड्स टेस्ट में वापसी संभव- रयान टेन डोशेट ने बताया कि भारत के स्टार तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को बर्मिंघम टेस्ट में आराम दिया जा रहा है। वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत उन्हें यह ब्रेक दिया गया है और वह तीसरे टेस्ट (लॉर्ड्स में) वापसी के लिए उपलब्ध रहेंगे।बुमराह ने पहले टेस्ट में पांच विकेट लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया था, लेकिन लगातार क्रिकेट को देखते हुए उन्हें ब्रेक देना ज़रूरी समझा गया।

जायसवाल स्लिप फील्डिंग से बाहर, लगातार कैच ड्रॉप्स पड़े भारी- पहले टेस्ट में युवा सलामी बल्लेबाज़ यशस्वी जैसवाल ने चार कैच छोड़े थे, जिससे इंग्लैंड को बड़े रन बनाने में मदद मिली। अब टीम मैनेजमेंट ने फैसला किया है कि जायसवाल को स्लिप कॉर्डन से हटा दिया गया है और उन्हें फिलहाल आउटफील्ड में लगाया जाएगा। जायसवाल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक ज़रूर लगाया था, लेकिन फिल्डिंग में उनकी गलती टीम पर भारी पड़ी।

मेस्सी की इंटर मियामी को 4-0 से हराकर पीएसजी क्वाफ में

अटलांटा। जोआओ नेवेस ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के लिए दो गोल किए जिससे चैंपियंस लीग के चैंपियन ने विश्व के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेस्सी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को 4-0 से हराकर शान से क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेस्सी उस टीम का सामना कर रहे हैं, जहां उन्होंने अपने शानदार करियर के अंतिम चरण में मेजर लीग सॉकर में जाने से पहले दो सत्र बिताए थे। अटलांटा के मिर्सडीज बेंज स्टेडियम में 65,574 दर्शकों के अपार समर्थन के बावजूद अर्जेंटीना का स्टार खिलाड़ी कुछ कमाल नहीं कर पाया और उनकी टीम को बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा। नेवेस ने मैच के छठे मिनट में अपना पहला गोल दागा। पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने 39वें मिनट में एक और गोल किया। इंटर मियामी पहले हाफ के अंतिम चरण में पूरी तरह से बिखर गया और उसने आत्मघाती गोल कर दिया। अचरफ हकीमी ने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करके पीएसजी को मध्यांतर से पहले चार गोल की बढ़त दिला दी। पीएसजी की इस जीत ने एक महीने पहले खेले गए चैंपियंस लीग के फाइनल की याद ताजा कर दी।

टेनिस का सबसे पुराना टूर्नामेंट विम्बलडन आज से

जोकोविच 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का प्रयास करेंगे, 1887 से ट्रॉफी नहीं बदली

लंदन, एजेंसी

टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट विम्बलडन की शुरूआत आज से ऑल इंग्लैंड क्लब लंदन में हो रही है। 148 साल पुराने इस ग्रैंड स्लैम टूनामेंट का यह 138वां संस्करण है। वर्ल्ड वार और 2020 में कोरोना महामारी के दौरान ही विम्बलडन का आयोजन ब्रेक हुआ है। इसे टेनिस के चार ग्रैंड स्लैम में सबसे प्रतिष्ठित भी कहा जाता है। विम्बलडन साल का तीसरा ग्रैंड स्लैम है। टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरूआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में वर ओपन होता है। वर ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच इस टूर्नामेंट में 25वां टाइटल जीतने का प्रयास करेंगे, लेकिन उनके सामने स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज की चुनौती होगी। 22 साल के अल्काराज ने पिछले साल ग्रॉस कोर्ट पर खेले गए फाइनल मुकाबले में जोकोविच को मात दी थी। ऑल इंग्लैंड क्लब कराता है विम्बलडन विम्बलडन इकलौता ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है, जिसका आयोजन कोई नेशनल टेनिस एसोसिएशन नहीं करता है। इसे ऑल इंग्लैंड क्लब आयोजित करता है। क्लब की स्थापना 1868 में हुई थी। टेनिस पहले क्रॉकेट कहलाता था। 6 मेंबर्स ने मिल कर ऑल इंग्लैंड टेनिस और क्रॉकेट क्लब की शुरूआत की और फिर आगे चलकर इन्हीं ने 1877 में विम्बलडन टूर्नामेंट शुरू किया। आज यह प्राइवेट क्लब है और इसमें 500 मेंबर हैं। प्रिंसेस ऑफ वेल्स इस क्लब की मालकिन रहती है। इस समय कैथरीन एलिजाबेथ मिडिलटन इसकी मालकिन हैं।

विम्बलडन की परंपरा, जो अटूट रही...

बॉल बॉय और बॉल गर्ल्स यहां के बॉल बॉय और गर्ल्स, इस चैम्पियनशिप को खास बनाते हैं। इन्हें बीबीजी के नाम से जाना जाता है। 2005 से बीबीजी 6 के दल में काम करते हैं, जिनमें से 2 नेट पर रहते हैं, 4 कोनों में रहते हैं। इनका काम बॉल को उठाकर खिलाड़ी तक पहुंचाना होता है। चैम्पियनशिप में बीबीजी 1920-30 के दशक में देखे गए थे। इन्हें स्कूल के प्रिंसिपल के द्वारा नामित किया जाता है, हालांकि इन सभी को टेनिस के नियमों पर बेस्ड एक लिखित परीक्षा पास करनी होती है । खिलाड़ियों की ड्रेस टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों को पूरी तरह से सफेद कपड़े पहन कर ही टेनिस खेलने की परमिशन है। 2022 में विम्बलडन के दौरान इस पर प्रोटेस्ट भी हुए। प्रोटेस्टर्स का कहना था कि महिलाओं के लिए पीरियड्स के दौरान सफेद कपड़ों में टेनिस खेलना चुनौतीपूर्ण रहता है। इसलिए व्हाइट ड्रेस कोड को हटाया जाए, लेकिन विम्बलडन अपने नियमों पर कायम रहा। इस बार भी खिलाड़ी व्हाइट ड्रेस में ही उतरेंगे। दर्शकों को स्ट्रॉबेरी-क्रीम वाइन सर्व की जाती है टूर्नामेंट में दर्शकों के स्ट्रॉबेरी और क्रीम के अलावा ब्रिटिश वाइन सर्व किए जाने की परंपरा है। घास के कोर्ट पर आयोजन 1877 में विम्बलडन की शुरूआत घास के कोर्ट पर हुई थी। पिछले 146 साल से यह प्रतियोगिता घास के कोर्ट पर हो रही है। चार ग्रैंडस्लैम में यह इकलौता है, जो ग्रास कोर्ट पर खेला जाता है। ऑस्ट्रेलियन ओपन और वर ओपन हार्ड कोर्ट पर, जबकि फ्रेंच ओपन क्ले कोर्ट पर खेला जाता है।

आयुष ने यूएस ओपन का खिताब जीता, तन्वी को फाइनल में मिली हार

आयोवा। भारत के उभरते बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग पर सीधे गेम में जीत के साथ अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही इस सत्र में भारत का खिताबी सूखा खत्म हुआ। 2023 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के कांस्य विजेता 20 वर्षीय आयुष ने रविवार को तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट में 21-18, 21-13 से हरा दिया। वहीं, महिला एकल फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा शीर्ष वरीय अमेरिका की बेवेन झांग से तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में हारकर उप विजेता रहीं। अपना पहला विश्व टूर फाइनल खेल रहीं गैरवरीय तन्वी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा।

आयुष बनाम यांग

आयुष की यांग पर यह तीसरी जीत रही। उन्होंने इस साल के शुरू में मलयेशिया ओपन और ताइपे ओपन में उन्हें हराया था। आयुष ने इस पूरे हफ्ते में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चाउ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद जीत हासिल की थी। पुरुष एकल फाइनल की शुरूआत में स्कोर 6-6 से बराबर रहा था, लेकिन चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने कई विनर्स लगाकर मिड तक याग पर 11-6 की बढ़त बना ली। यांग ने अंतर को 13-11 तक कम कर दिया और 16-16 से बराबरी हासिल कर ली, लेकिन आयुष ने अच्छी तरह से लगाए गए शॉट्स के साथ नियंत्रण हासिल कर लिया और निर्णायक जंप स्मैश के साथ शुरूआती गेम अपने नाम कर लिया।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

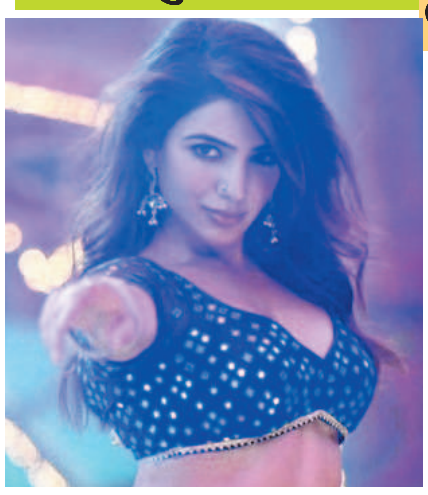

फिल्म पुष्पा का सबसे हिट गाना हुआ कॉपी? कंपोजर ने तुर्की की गायिका पर लगाया आरोप

पुष्पा- द राइज के चार्टबस्टर गाने ओ अंटावा को लेकर इन दिनों एक नया विवाद खड़ा हो गया है। इस गाने के म्यूजिक कंपोजर देवी श्री प्रसाद ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान चौंकाने वाला खुलासा किया कि उनके इस आइकॉनिक गाने को एक विदेशी कलाकार ने बिना अनुमति के कॉपी कर लिया है। अब म्यूजिक कंपोजर इस मामले में कानूनी कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। एक इवेंट में मीडिया से बातचीत करते हुए देवी श्री प्रसाद ने बताया कि ये गाना उन्होंने सिर्फ पांच मिनट में स्टूडियो में तैयार किया था और ये पूरी दुनिया में जबरदस्त हिट रहा। लेकिन अब, एक अंग्रेजी गायक ने इस गाने की नकल कर ली है, जिससे वो बेहद नाराज हैं। हालांकि उन्होंने गायक का नाम नहीं बताया, लेकिन फैन्स ने जल्द ही इसे तुर्की की गायिका अतिये के गाने अनलयाना से जोड़ दिया। ओरिजनल ओ अंटावा गाने की तुलना में अनलयाना की धुनें और बीट्स काफी मिलती-जुलती बताई जा रही हैं। यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर इस तुर्की गाने के कमेंट सेक्शन में भी भारतीय यूजर्स ने अपनी नाराजगी जाहिर की है और इसे साफ तौर पर कॉपी बताया है। बात करें पुष्पा-द राइज की, तो ये फिल्म 2021 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। फिल्म में अल्लू अर्जुन लीड रोल में नजर आए थे, जिनके साथ रश्मिका मंदाना और फहद फासिल भी अहम भूमिकाओं में थे।

रिया चक्रवर्ती : टीवी से फिल्मों तक का सफर, करियर में नहीं मिली एक भी हिट; सुशांत केस ने बदल दी जिंदगी

अपने करियर से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहने वाली अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती आज अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। रिया चक्रवर्ती को लोग उनके फिल्मों और एक्टिंग से कम बल्कि सुशांत सिंह राजपूत की वजह से ज्यादा जानते हैं। हालांकि, रिया एक मॉडल, वीजे और एक्ट्रेस रही हैं। बंगाली परिवार में जन्मीं रिया ने तेलुगु सिनेमा से अपनी शुरुआत करने के बाद बॉलीवुड की भी कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि, रिया का करियर कुछ खास नहीं रहा और उनके खाते में एक भी बड़ी फिल्म नहीं है। आज जन्मदिन पर जानते हैं कैसा रहा रिया का अब तक का सफर।

रिया चक्रवर्ती एक आर्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उनके पिता इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल थे। बंगाली परिवार में जन्मीं रिया का जन्म 1 जुलाई 1992 को कर्नाटक के बेंगलुरू में हुआ था। रिया ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की। उन्होंने साल 2009 में एमटीवी टीन दिवा में हिस्सा लिया था। जहां वो फर्स्ट रनरअप रही थीं। इसके बाद उन्होंने एमटीवी वीजे के रूप में काम किया। इस दौरान रिया ने कुछ एक टीवी शो भी होस्ट किए।

तेलुगु फिल्म से की करियर की शुरुआत, 2013 में बॉलीवुड में किया डेब्यू- रिया ने फिल्मी दुनिया में अपनी शुरुआत 2012 में तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' से की। इस फिल्म में उनके साथ सुमंथ अश्विन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद रिया ने बॉलीवुड में अपने कदम 2013 में आई फिल्म 'मेरे डैड की मारुती' से रखे।

करियर में नहीं मिली कोई बड़ी फिल्म- इसके अलावा रिया ने अपने करियर में 'सोनाली केबल' (2014), 'बैंक चोर' (2017), 'हाफ गर्लफ्रेंड' (2017), 'दोबारा' (2017), 'जलेबी' (2018) जैसी फिल्मों में काम किया।

अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी जैसे स्टार्स के साथ भी नहीं मिली हिट

2018 के बाद तीन साल के लंबे गैप के बाद रिया चक्रवर्ती साल 2021 में आई फिल्म 'चेहरे' में नजर आई थीं। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। एक लंबी चौड़ी स्टारकास्ट वाली यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती की पूरी जिंदगी ही बदल गई। रिया चक्रवर्ती के सुशांत सिंह राजपूत से अफेयर की चर्चाएं थीं। इसलिए जब सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या की और उनकी डेड बॉडी उनके घर में पंखे से लटकती मिली, तो अचानक रिया चक्रवर्ती लोगों के निशाने पर आ गईं।

मेट्रो बाजार

जून के आखिरी दिन भी फिसला सोना, 96 हजार के नीचे आया

नई दिल्ली। जून 2025 के अंतिम दिन भी सोने और चांदी की कीमतों में हलचल देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 30 जून को 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 95,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार बना हुआ है। वहीं चांदी की कीमतों में भी हल्का उतार-चढ़ाव देखा गया है। चलिए जानते हैं आज के सोने और चांदी के लेटेस्ट रेट।

सोने में गिरावट- 999 शुद्धता वाला 24 कैरेट सोना आज 95951 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। वहीं 995 शुद्धता वाला सोना 95567 रुपए प्रति 10 ग्राम है, 916 शुद्धता वाले 22 कैरेट सोने की बात करें तो ये आज 87891 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव बिक रहा है, 750 शुद्धता वाले 18 कैरेट सोने की कीमत आज 71963 रुपए है और 585 शुद्धता वाले 14 कैरेट वाले सोने की कीमत आज 56131 रुपए है। वहीं चांदी का भाव आज 105875 रुपए किलो है, जो शुक्रवार शाम को 105193 रुपए थी। आपको बता दें ये इन कीमतों में जीएसटी एड नहीं होता और ज्वैलरी खरीदने पर आपको मेकिंग चार्ज भी अलग से देने होंगे।

भारत में टेक स्टार्टअप्स फिर पकड़ रहे रफ्तार, 6.7 लाख तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली । भारत के टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम में सुस्ती के बाद अब फिर से धीरे-धीरे संभावनाओं की बहाली दिखने लगी है। जहां पिछले वित्त वर्ष में फंडिंग में गिरावट ने हायरिंग को प्रभावित किया था, वहीं वित्त वर्ष 2026 में टेक स्टार्टअप्स में कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 6.7 लाख तक पहुंचने का अनुमान जताया गया है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2025 में 5.9 लाख था। स्टाफिंग फर्म के अनुसार, भले ही नियुक्तियों में कोई बड़ा उछाल न हो लेकिन मौजूदा ट्रेंड स्थिरता के साथ हल्की तेजी की ओर इशारा कर रहा है। एफवाई25 में कुल 0.6 लाख की शुद्ध नियुक्ति हुई थी, जबकि एफवाई26 में 0.8 लाख की शुद्ध वृद्धि की संभावना है।

क्विक कॉमर्स में दिख रही जान- इस हायरिंग ग्रोथ में सबसे अधिक योगदान क्विक कॉमर्स, ई-रिटेल, फिनटेक, पेमेंट, लेंडिंग और एफऐंडबी रिटेल स्टार्टअप्स से आने की उम्मीद है। एक्सफीनो के को-फाउंडर अनिल एथनूर के अनुसार, ये सेक्टर टेक स्टार्टअप्स के लिए हायरिंग ग्रोथ के प्रमुख इंजन बन सकते हैं। एम्प्लॉयमेंट आउटलुक रिपोर्ट बताती है कि ई-कॉमर्स और टेक स्टार्टअप क्षेत्रों में 69त्न नियोक्ता वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में हायरिंग की योजना बना रहे हैं। इस ग्रोथ को अक-संचालित प्रोडक्ट स्केलिंग, ग्रोथ मार्केटिंग और क्लाउड-नेटिव इंजीनियरिंग जैसी तकनीकों से बल मिल रहा है।

त्योहारी सीजन भी बना सहारा- हायरिंग में तेजी का एक बड़ा कारण इस साल त्योहारी सीजन का जल्दी शुरू होना भी है। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स दिग्गज पहले से ही अपनी लॉजिस्टिक और टेक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रही हैं ताकि मांग को समय पर पूरा किया जा सके।

शमशाबाद से लौटते समय जीजा से कहा था मैं बस से आऊंगा

युवक को वाहन ने मारी टक्कर, सड़क के किनारे झाड़ियों में मिली लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा पुलिस ने गांव हिनौती सड़क से सोमवार सुबह एक युवक की लाश सड़क किनारे झाड़ियों के पास से बरामद की है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। टक्कर लगने से वह झाड़ियों के पास गिरा और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है। थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा ने बताया कि पंकज खरे पिता मांगीलाल खरे (21) छोला मंदिर में रहता था। मूलतः लखनवास निवासी पंकज खरे प्राइवेट काम करताथा। रविवार को वह परिवार के साथ जीजा के गांव शमशाबाद गया था। घर की महिलाएं ऑटो में थी, जबकि जीजा साले बाइक पर थे। रात करीब 10 बजे परिवार शमशाबाद से लौट रहाथा। जीजा जितेंद्र ने परिवार की महिलाओं को ऑटो में बिठाया और वह बाइक पर पंकज को लेकर छोला मंदिर लौट रहे थे। जितेंद्र ने बताया कि पंकज शराब के नशे मेंथा और बाइक पर उसे ठीक से बैठते नहीं बन रहा था। रात करीब दस बजे के आसपास पंकज ने जीजा से कहा कि आप लोग पहुंचों में बस से आता हूं। जीजा जितेंद्र ने हिनोती सड़क पर एक होटल के पास उसे उतार दिया। वहां चाय पी और छोला मंदिर के लिए निकल गए। इधर, देर रात तक पंकज घर नहीं लौटा उसे कॉल किया गया तो उसका मोबाइल बंद हो चुका था।

सुबह लौटते समय जीजा ने देखा शव - पत्नी और परिवार को छोला मंदिर छोड़कर जितेंद्र शमशाबाद लौट रहाथा। रास्ते में वह पंकज को भी देखते हुए जा रहा था। सुबह करीब 7 बजे जितेंद्र हिनोती सड़क पर पहुंचा ही था कि उसे सड़क किनारे भीड़ नजर आई।

घर के पास मिली मिस्त्री की लाश

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में सोमवार सुबह मिस्त्री की लाश घर के पास सड़क पर मिलने से सनसनी फैल गई। उसके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले है। मिस्त्री की तबीयत दो-तीन दिन से खराब थी। अनुमान लगाया जा रहा है कि घबराहट होने पर वह घर के बाहर निकलाथा, तभी अटैक आने से सड़क पर बैठा और वहीं उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार सोनू कुशवाह ट्रांसपोर्ट नगर में रहता है। उसने पुलिस को बताया कि 30 साल का कुलदीप सिलावट मूलतः विदिशा का रहने वालाथा और यहां ट्रांसपोर्टर के दो मंजिला मकान में रहता था। उसकी दो दिन दिन से तबीयत बिगड़ी हुईथी। सोमवार सुबह करीब पौने 8 बजे के आसपास उसकी लाश घर के बगल सड़क पर पड़ी मिली।

सार्थक ऐप पर फर्जी हाजिरी मामले में 3 अतिथि विद्वानों का आमंत्रण निरस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उच्च शिक्षा विभाग ने सोमवार को रीवा जिले के हनुमना स्थित शासकीय महाविद्यालय में आमंत्रित अतिथि विद्वान जानकी शरण शुक्ला एवं डॉ. गीता पटेल के आमंत्रण को तत्काल निरस्त करने के सम्बंध में निर्देश जारी किए हैं।

साथ ही सीधी जिले के खड्डी स्थित शासकीय महाविद्यालय में आमंत्रित अतिथि विद्वान अभिनंदन पांडे के आमंत्रण को तत्काल निरस्त करने के संबंध में भी निर्देश जारी किए हैं।

उक्त तीनों अतिथि विद्वान संस्थान में न होकर अन्यत्र स्थान से अमर्यादित एवं अनुचित रूप से सार्थक ऐप पर फर्जी उपस्थिति लगाकर अनुशासनहीनता करते पाए गए हैं।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सार्थक ऐप पर छेड़खानी कर अनुचित तरीके से फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले नियमित स्टॉफ पर भी कार्रवाई प्रस्तावित है।

अनुचित तरीके से फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले नियमित स्टॉफ पर भी कार्रवाई प्रस्तावित

उल्लखेनीय है कि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने सार्थक ऐप पर छेड़खानी कर फर्जी उपस्थिति दर्ज कर शैक्षणिक परिवेश को दूषित करने को गंभीरतापूर्वक लेकर विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे।

मंत्री परमार के निर्देश के अनुपालन में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिदिन सार्थक उपस्थिति ऐप पर दर्ज प्रत्येक प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और अतिथि विद्वानों की उपस्थिति का गहन परीक्षण किया जा रहा है और अनुचित तरीके से उपस्थिति दर्ज करने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है।

123 दिव्यांग छात्रों और स्वच्छता ,कर्मियों को मिला रेनकोट का सहारा

हिरदाराम नगर । भाजपा गुरुनानक मंडल ने 123 मूक-बधिर दिव्यांग छात्र-छात्राओं और स्वच्छता सेवकों को रेनकोट वितरित किए। सांसद शर्मा ने मंडल के सेवाभावी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

सांसद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमें समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़ने और उनकी आवश्यकताओं को गहराई से समझने का अवसर मिलता है। आज इन विशेष बच्चों और हमारे कर्मठ स्वच्छता सेवकों के साथ समय बिताना मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा।÷

उन्होंने कहा, ÷इन बच्चों और स्वच्छता सेवकों को रेनकोट देना भले ही एक छोटा सा कदम हो, लेकिन उनके चेहरों पर आई मुस्कान ही हमारे लिए सबसे बड़ा इनाम है। हमें निरंतर समाज के हर वर्ग के लिए काम करते रहना चाहिए और उनकी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने भी विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर राजा शर्मा, भगवान दास ढालिया, सुनील सराठे, नरेंद्र ठाकुर, मुकेश सोलंकी, दीपचंद तिवारी, संदीप कल्याणे, महेश मालवीय, चंदू यादव सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ट्रेन में युवकों के हाथ पर डंडा मारकर बदमाशों ने लूटे मोबाइल फोन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल लूटने और सामान चोरी होने की घटनाएं लगातार जारी हैं। ट्रेन के जनरल डिब्बे में सवार एक युवक के हाथ पर डंडा और दूसरे के हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल फोन छीन लिया। इधर कई अन्य यात्रियों के मोबाइल फोन समेत अन्य सामान चोरी हो गया। जानकारी के अनुसार होशंगाबाद निवासी रितिक मंसौरिया अपने दोस्त के साथ नर्मदा एक्सप्रेस के जनरल कोच में बैठकर रानी कमलापति से होशंगाबाद जा रहा था। रितिक डिब्बे के गेट पर बैठकर अपना मोबाइल फोन चला रहा था। मंडीदीप पहुंचने से करीब पांच मिनट पहले एक बदमाश ने उनके हाथ पर डंडा मारकर वन प्लस कंपनी का मोबाइल फोन नीचे गिराया और उठाकर भाग निकला। लूटे गए मोबाइल की कीमत 19 हजार रुपए बताई गई है। मोबाइल के कवर में डेढ़ हजार रुपए नकदी भी रखे थे। इसी प्रकार छिंदवाड़ा निवासी जितेंद्र डहेरिया पंचवेली एक्सप्रेस के जनरल कोच में छिंदवाड़ा से भोपाल की यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान वह ट्रेन के गेट पर बैठकर मोबाइल चला रहा था। भोपाल स्टेशन आने से पहले

आउटर ट्रेन काफी धीमी रफ्तार से चल रही थी। इसी दौरान एक बदमाश ने जितेंद्र के हाथ पर झपट्टा मारकर उनका 16 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन छीन लिया और भाग निकला। इधर भोपाल निवासी रोहित कुमार रीवांचल एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में सतना से रानी कमलापति की यात्रा कर रहा था। इस दौरान उसने अपना बैग सीट के पास खूंटी पर टांग दिया था। भोपाल रेलवे स्टेशन आने पर उसकी नींद खुली तो बैग गायब हो चुका था। बैग में कपड़े और दस्तावेज रखे हुए थे। युवक की जेब से 95 हजार का मोबाइल चोरी भोपाल निवासी समर्थ सिंह रघुवंशी रात के समय अपने दोस्तों के साथ रानी कमलापति रेलवे स्टेशन स्थित बंसल वन में बने क्लब में पार्टी करने पहुंचा था। देर रात क्लब से बाहर निकलने के बाद वह घर जाने के लिए अपनी गाड़ी के पास पहुंचा तो पता चला कि जेब में रखा 95 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन गायब है।

स्टेशन की पार्किंग में एसडीओ की कार में मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का पार्किंग में खड़ी एक कार को एसडीओ और मध्यप्रदेश शासन लिकी बोलेरो जीप ने टक्कर मार दी, जिससे कार में हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। जीआरपी ने बोलेरो चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी अजय मिश्रा सोमवार की रात करीब साढ़े नौ बजे अपने परिवार के साथ रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। पार्किंग टिकट लेकर वह अपनी कार लेकर आरकेएमपी की पार्किंग में पहुंचे, तभी एसडीओ और मध्यप्रदेश शासन लिखी बोलेरो जीप ने उनकी आर्टिगा कार में दाहिनी तरफ से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गाड़ी का दाहिना हिस्सा, आगे का बोनट, बम्पर और हेड लाईट क्षतिग्रस्त हो गई। गाड़ी में पचास हजार से ज्यादा का नुकसान होने का अनुमान है।

मेट्रो एंकर एक दर्जन दमकलों ने तड़के तक आग बुझाने की मशक्कत की

भौंरी में भीषण आग, फैक्ट्री जलकर राख, बड़ा नुकसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

संत नगर के पास भौंरी गाँव स्थित कैंपियन स्कूल के समीप एक डिस्पोजल सामान बनाने वाली फैक्ट्री में सोमवार रात भीषण आग लग गई, जिसके कारण पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

साइन विश्वास इंडस्ट्रीज के नाम से संचालित हो रही यह फैक्ट्री, जहाँ एल्युमिनियम से बने डिस्पोजल उत्पाद बनाए जाते थे, आग की भेंट चढ़ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग रात करीब आठ बजे लगी और देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। डिस्पोजल उत्पादों का ज्वलनशील स्वभाव होने के कारण आग कुछ ही देर में पूरी फैक्ट्री में फैल गई।

आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रात 10 बजे तक एक दर्जन से अधिक दमकलें मौके पर पहुँच चुकी थीं, लेकिन आग पर पूरी तरह काबू पाने में घंटों लग गए।

संतनगर के अलावा, भोपाल और आसपास के क्षेत्रों से भी दमकलों को आग बुझाने के लिए बुलाया गया। अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को फैलने से रोका और नियंत्रण में लिया। फैक्ट्री मालिक धर्म हिमथानी ने बताया कि वे फैक्ट्री बंद करके मुश्किल से पाँच-दस मिनट ही चले थे कि उन्हें आग लगने की सूचना मिली। जब तक वे वापस पहुंचे, फैक्ट्री के अंदर रखा अधिकांश माल जलकर खाक हो चुका था।

हिमथानी के अनुसार, आग से करीब 75 लाख रुपए का तैयार और कच्चा माल, 90 लाख रुपए की मशीनरी, और अन्य सामान मिलाकर कुल ढाई करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है।

हिमथानी का कहना है कि हमें लगता है कि आग का कारण बिजली का अचानक अप-डाउन होना है।

पुलिस का कहना है कि हमें रात करीब 8:15 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। तत्काल फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भेजी गई और आसपास के क्षेत्रों से भी अतिरिक्त दमकलों को बुलाया गया।

फैक्ट्री में डिस्पोजल उत्पाद बनते थे, जिस कारण आग तेजी से फैली। अभी आग पर काबू पा लिया गया है, और कूलिंग का काम चल रहा है।

आग लगने के सही कारणों की जांच की जाएगी, और नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। आग बुझाने के एक दर्जन से अधिक दमकलों को बुलाना पड़ा। स्थानीय लोगों में भी दहशत फैल गई थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022